संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला

मंगलवार

7 अक्तूबर, 2025

वर्ष:24 अंक: 104

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी बातें

भारत चुनाव आयोग द्वारा 21-तरन तारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत चुनाव आयोग ने पंजाब की 21-तरन तारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही तरन तारन जिले में चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव के लिए जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार 13 अक्तूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि नामांकन भरने की अंतिम तिथि 21 अक्तूबर होगी और नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्तूबर को की जाएगी, जबकि नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्तूबर 2025 तय की गई है।

सिबिन सी ने बताया कि 11 नवंबर को मतदान होगा और 14 नवंबर 2025 को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि नामांकन पत्र 13 अक्तूबर से लेकर 21 अक्तूबर तक किसी भी कार्य दिवस में भरे जा सकते हैं। केवल 19 अक्तूबर रविवार और 20 अक्तूबर दीवाली को अवकाश रहेगा, इन दिनों नामांकन पत्र दाखिल नहीं किए जा सकेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान : दो चरणों में होंगे चुनाव, 6 और 11 नवंबर को मतदान, मतगणना 14 नवंबर को

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर चुनाव आयोग की ओर से तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को तारीखों का ऐलान कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार की सभी 243 सीट पर दो चरण में चुनाव होंगे। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को और दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं, चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को जारी किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव को लेकर आयोग ने तमाम तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव में हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही फेक न्यूज पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने जानकारी दी कि बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.43 करोड़ है। इनमें लगभग 3.92 करोड़ पुरुष और करीब 3.50 महिला मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि 1,725 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। करीब 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता, 4.04 लाख 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक भी वोटर सूची में हैं, जबकि 100 साल के अधिक उम्र की मतदाताओं की संख्या 14 हजार है। फर्स्ट टाइम वोटर लगभग 14 लाख हैं।

जापान दौरे के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जापान के मंत्रियों से की मुलाकात

'हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2026' के लिए भी मुख्यमंत्री ने किया आमंत्रित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान के दौरे पर गए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज टोक्यो में जापान के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय चर्चाएं कीं। बैठकों के दौरान हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने जापान के विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री मियाजी ताकुमा से मुलाकात की। इस बैठक में हरियाणा और जापान के बीच व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने और आर्थिक दृष्टि से दोनों प्रांतों की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने श्री ताकुमा को आगामी अप्रैल 2026 में आयोजित होने वाले 'हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में 'पार्टनर कंट्री' के रूप में भागीदारी के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

इसके बाद मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय (METI) के राज्य मंत्री श्री कोगा यूइचिरो से भी मुलाकात की। बैठक में दोनों पक्षों ने हरियाणा और जापान की औद्योगिक इकाइयों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। इस दौरान भविष्य की मोबिलिटी, हरित ऊर्जा, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स/सेमीकंडक्टर, अवसंरचना और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे क्षेत्रों में संभावित निवेश अवसरों पर संभावनाएं तलाशने पर भी विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश लगातार प्रगति कर रहा है और आज भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हरियाणा सरकार का भी यह प्रयास है कि राज्य में विदेशी निवेश आकर्षित हो और जापान जैसे तकनीकी रूप से अग्रणी देश के साथ सहयोग से हरियाणा में उद्योग, नवाचार और रोजगार के नए द्वार खुलें। प्रधानमंत्री के विकसित भारत – विकसित हरियाणा के विजन को साकार करने की दिशा में जापान का यह दौरा एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादर साहिब के 350वें शहादत दिवस की तैयारियों संबंधी मुख्य मंत्री द्वारा सिख संतों, महापुरुषों एवं विद्वानों से बैठक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के शहादत दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाने के लिए राज्य सरकार इस मामले को भारत सरकार के समक्ष उठाएगी।

आज यहां संत समाज की प्रमुख हस्तियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी का शहादत दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे देशभर में धार्मिक निष्पक्षता, अंतर-सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को और मजबूत किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि नवें पातशाह समानता और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर थे और उन्होंने देश में मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर जी का शहादत दिवस मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाने से जहां महान गुरु साहिब जी को विन्रम श्रद्धांजलि दी जाएगी, वहीं लोगों के बीच आपसी भाईचारा और मजबूत होगा, क्योंकि उनका जीवन और दर्शन पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शन है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार, गुरु साहिब जी के दिल्ली जाने के समय अपनाए मार्ग के पंजाब हिस्से का निर्माण श्री गुरु तेग बहादर मार्ग के रूप में करने की संभावना तलाशेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब लोक निर्माण और पंजाब मंडी बोर्ड द्वारा इस मार्ग का खाका तैयार किया जाएगा, जो सही मायनों में गुरु साहिब जी के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक होगा।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार इस मार्ग को दिल्ली में गुरुद्वारा सीस गंज साहिब तक ले जाने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष मामला उठाएगी।

एक अन्य मामले का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस मार्ग से महान सिख जर्नल बाबा जीवन सिंह (भाई जैता जी) ने नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी का पवित्र सीस श्री आनंदपुर साहिब लाये थे, उस मार्ग को विकसित करके बाबा जीवन सिंह मार्ग के नाम पर रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि बाबा जीवन सिंह जी ने गुरु साहिब जी का सीस लाते समय उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा का मार्ग कठिनाइयों भरा था। संबंधित राज्यों और भारत सरकार से इस मार्ग को बनाने का अनुरोध किया जाएगा, जो महान सिख नायक को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्कूल पाठ्यक्रम में गुरु साहिब जी के जीवन और दर्शन को शामिल करने के लिए समिति गठित करने का ऐलान किया।

सोनम वांगचुक ने स्वतंत्र जांच की मांग दोहराई, जेल में रहकर जताई सहमति

जोधपुर। लद्दाख में छठी अनुसूची और राज्य का दर्जा देने की मांग के दौरान हिंसा के मामले में गिरफ्तार सोनम वांगचुक ने चार लोगों की हत्या की जांच किसी स्वतंत्र न्यायिक एजेंसी से कराए जाने तक जेल में रहने की सहमति जताई है। यह संदेश उन्होंने अपने बड़े भाई के माध्यम से भेजा।

सोनम वांगचुक से उनके बड़े भाई त्सेतन दोरजे और वकील मुस्तफा हाजी को विशेष अनुमति के तहत जोधपुर सेंट्रल जेल में मुलाकात करने की इजाजत दी गई थी। वकील मुस्तफा हाजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सोनम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने लद्दाख और भारत के लोगों का आभार व्यक्त किया और हिंसा में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। इसके साथ ही घायलों और गिरफ्तार किए गए लोगों के लिए प्रार्थना की। लद्दाख और मांगों पर संदेश : सोनम वांगचुक ने दोहराया कि चार लोगों की हत्या की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए और जब तक यह नहीं होती, वे जेल में रहकर इंतजार करने को तैयार हैं। उन्होंने लद्दाख के लोगों और KDA के साथ मिलकर छठी अनुसूची और राज्य का दर्जा पाने की मांग में समर्थन जारी रखने की बात कही। साथ ही लोगों से शांति, एकता और अहिंसा के मार्ग पर चलकर संघर्ष जारी रखने की अपील की। जेल की सुरक्षा व्यवस्था : सोनम वांगचुक 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा के आरोप में गिरफ्तार हुए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत उन्हें 26 सितंबर की रात जोधपुर सेंट्रल जेल लाया गया, जो देश की सबसे सुरक्षित जेलों में से एक है।

3 राज्यों और DCGI को नोटिस जारी, नकली दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश

नई दिल्ली- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को नोटिस जारी कर उन्हें दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की मौत के आरोपों की जांच करने व नकली दवाओं की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है।

एनएचआरसी ने भारतीय औषधि महानियंत्रक (DCGI), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (DGHS) और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को नकली दवाओं की आपूर्ति की जांच का आदेश देने और राज्यों में सभी क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को नकली दवाओं के नमूने एकत्र करने, परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देने को भी कहा है।

आयोग ने एक नोटिस में कहा कि प्राधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित राज्यों के सभी मुख्य औषधि नियंत्रकों को नकली दवाओं पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया शुरू करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दें।

आयोग ने कहा कि उसे मध्य प्रदेश (छिंदवाड़ा और विदिशा जिले) और राजस्थान के कुछ जिलों में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से 12 बच्चों की मौत के मामलों में तत्काल हस्तक्षेप के अनुरोध वाली एक शिकायत मिली है।

सनातन का अपमान नहीं सहेंगे... कहते हुए अदालत में CJI पर जूता फेंकने का प्रयास

नयी दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कार्यवाही के दौरान एक वकील ने भारत के प्रधान न्यायाधीश (CJI) बी आर गवई की ओर कथित तौर पर जूता फेंकने की कोशिश की। वकीलों ने यह जानकारी दी।

यह घटना उस समय घटी जब प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा उल्लेख किए गए मामलों की सुनवाई कर रही थी। वकील मंच के पास पहुंचा, अपना जूता निकाला और उसे न्यायाधीश की ओर फेंकने की कोशिश की।

अदालत कक्ष में मौजूद सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और हमले को रोका। वकील को तुरंत अदालत परिसर से बाहर ले जाया गया। जब वकील को ले जाया जा रहा था, तो उसे चिल्लाते हुए सुना गया, ''सनातन का अपमान नहीं सहेंगे''।

अपने पुराने बैंक अकाउंट्स में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान स्टेप्स

1. बैंक की किसी भी शाखा में जाइए, भले ही वो आपकी रेग्युलर शाखा न हो
2. एक फॉर्म जमा कीजिए केवाईसी डॉक्यूमेंट्स के साथ (आधार, पासपोर्ट, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस)
3. वेरिफिकेशन के बाद ब्याज समेत (यदि है तो) अपने पैसे वापस पाइए

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजिए या आरबीआई का UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** देखिए जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

दावा न की गई संपत्ति के विशेष कैम्प्स में जाइए जो देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

अधिक जानकारी के लिए **https://rbikehtahai.rbi.org.in** देखिए

प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

मुख्यमंत्री ने कनाडा में भारतीय प्रवासियों को दी शुभकामनाएं, राज्य का भ्रमण और निवेश करने का दिया आमंत्रण

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कनाडा के ओटावा स्थित ऐतिहासिक संसद हिल पर आयोजित कुल्लू दशहरा के भव्य समारोह के अवसर पर एक विशेष वीडियो संदेश के माध्यम से भारतीय प्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन सांसद मैरी-फ्रांस लालोंडे द्वारा आयोजित किया गया और हिमाचली प्रवासी ग्लोबल एसोसिएशन (एचपीजीए) द्वारा इसका संयोजन किया गया।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा, 'इस अवसर पर हिमाचल की समृद्ध संस्कृति के जीवंत रंग पूरी भव्यता के साथ प्रदर्शित होंगे, जिससे विदेश में रह रहे लोगों को भी अपने घर जैसा अनुभव मिलेगा। विदेशों में रह रहे सभी हिमाचली हमारे राज्य के सच्चे ब्रांड एंबेसडर हैं। मैं कनाडा में रह रहे सभी लोगों को हिमाचल प्रदेश आने और यहां निवेश के अवसरों को तलाशने के लिए आमंत्रित करता हूं।' इस उत्सव में हिमाचल प्रदेश की विविध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया, जिसमें विश्व प्रसिद्ध हिमाचली लोकनृत्य 'नाटी', पारंपरिक रामलीला का मंचन और सभी अतिथियों को परोसी गई हिमाचली धाम मुख्य आकर्षण रहे। इस आयोजन में 35 से अधिक क्षेत्रीय सामुदायिक संगठनों ने भाग लिया, जो कि हिमाचली प्रवासियों की एकता और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित करता है। एचपीजीए की ओर से सह-संस्थापक भाग्य चंदर, अरुण चौहान और विवेक नज्ज़र ने प्रेरणादायक संदेश भेजने और वैश्विक मंच पर हिमाचली संस्कृति को बढ़ावा देने में निरंतर सहयोग के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारत के कनाडा स्थित उप उच्चायुक्त, वरिष्ठ राजनयिक, सामुदायिक नेता तथा अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे।

विश्व डाक दिवस एवं राष्ट्रीय डाक सप्ताह 2025 का उत्सव आरंभ

विभिन्न विषयों पर जागरूकता एवं सहभागिता आधारित कार्यक्रम किए जा रहे आयोजित- अधीक्षक डाकघर

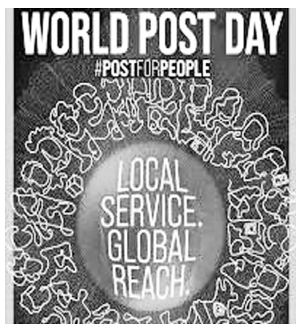

धर्मशाला। भारतीय डाक विभाग द्वारा 06 से 10 अक्तूबर, 2025 तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए अधीक्षक डाकघर, धर्मशाला रविन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस अवधि के दौरान विभिन्न विषयों पर जागरूकता एवं सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनता के साथ डाक विभाग के संबंधों को और सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि 06 अक्तूबर को प्रौद्योगिकी दिवस पर डाक सेवाओं में डिजिटल नवाचार और आधुनिक तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए क्विज प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जबकि 07 अक्तूबर को वित्तीय समावेशन दिवस पर संपूर्ण सुकन्या ग्रामों में वित्तीय साक्षरता शिविर, पीएलआई, आरपीएलआई प्रचार अभियान तथा डाक चैपाल का आयोजन किया जाएगा, ताकि ग्रामीण स्तर पर वित्तीय सशक्तिकरण को बल मिल सके। इसके अलावा 08 अक्तूबर को फिलेटली एवं नागरिक केन्द्रित सेवाएँ दिवस पर विद्यालयों में पत्र लेखन प्रतियोगिता, ढाई आखर कार्यक्रम, फिलेटलिस्ट मीट तथा आधार नामांकन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों में डाक सेवाओं के प्रति रुचि और जुड़ाव बढ़े, इसके साथ ही 09 अक्तूबर को विश्व डाक दिवस पर इस वर्ष की थीम ÷पोस्ट फॉर पीपल, लोकल सर्विस ग्लोबल रीच÷ पर आधारित कार्यक्रमों में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान तथा पोस्टाथॉन वॉक जैसी गतिविधियाँ शामिल होंगी, जो पर्यावरण संरक्षण और सेवा भावना दोनों को दर्शाती हैं जबकि 10 अक्तूबर को ग्राहक दिवस पर ÷हैप्पी कस्टमर्स टेस्टीमोनियल्स÷ प्रस्तुत किए जाएंगे।

8 अक्तूबर को सिद्धबाड़ी और साथ लगते क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी

धर्मशाला। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल सिद्धपुर संतोष कुमार ने जानकारी दी है कि विद्युत लाइनों के रखरखाव हेतु दिनांक 8 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 09:30 बजे से कार्य समाप्ति तक सिद्धबाड़ी, व्हाईट रिज, सुक्कड़, बागणी, सेंट मैरी, सेक्रेड हॉर्ट, त्रिलोकिनाथ तथा फतेहपुर आदि क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। यदि मौसम खराब होता है या अन्य किसी आकस्मिक स्थिति में यह कार्य स्थगित अथवा आंशिक रूप से किया जा सकता है। यह कार्य जनहित में करना आवश्यक है। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल सिद्धपुर ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अवधि में सहयोग करें ताकि रखरखाव का कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके।

08 अक्तूबर को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 08 अक्तूबर, 2025 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता सोलन राहुल वर्मा ने दी।

राहुल वर्मा ने कहा कि 08 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 09.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक वाकनाघाट, छावशा, डुमैहर, कोट, क्वारग, कोठी बाड़ा, आंजी ब्रह्ममणा, सैंज, गोग, कैथलीघाट, शालाघाट, क्यारी बंगला, बीशा, बाशा, सुरू, जे.पी. विश्वविद्यालय, डिवेंचर होटल, ज्यूरिक होटल एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि खराब मौसम एवं किन्ही अपरिहार्य कारणों से उपरोक्त तिथि व समय में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की।

मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन संबंधी कार्यक्रम जारी, अंतिम सूची का प्रकाशन 13 नवम्बर या उससे पूर्व किया जाएगा- उपायुक्त

धर्मशाला। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त हेमराज बैरवा ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, हिमाचल प्रदेश द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूचियों का प्रारूप आज दिनांक 06 अक्तूबर 2025 को प्रकाशित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार दावे और आपत्तियां 08 अक्तूबर से 17 अक्तूबर 2025 तक प्रस्तुत की जा सकती हैं।

उन्होंने बताया कि प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निपटारा 27 अक्तूबर 2025 तक संबंधित पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इसके पश्चात अपील 03 नवम्बर 2025 तक अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष दायर की जा सकेगी तथा इन अपील का निपटारा 10 नवम्बर 2025 तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 13 नवम्बर 2025 या उससे पूर्व किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा किया जाए। मतदाता सूची से संबंधित सभी दावे-आपत्तियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जाएं ताकि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन निर्धारित समय में किया जा सके।

नगर निगम सोलन के सभी 17 वार्डों की मतदाता सूचियां तैयार

सोलन। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (नगर निगम) एवं उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश नगर निगम निर्वाचन नियम, 2012 के अनुसार नगर निगम सोलन के सभी 17 वार्डों की मतदाता सूचियां तैयार कर ली गई हैं।

डॉ. पूनम बंसल ने कहा कि नगर निगम सोलन के वार्ड नम्बर 1 से 17 तक के सभी मतदाताओं के लिए यह सूचियां उपमण्डलाधिकारी सोलन, आयुक्त नगर निगम सोलन तथा तहसीलदार सोलन के कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि किसी मतदाता को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने, दर्ज नाम में कोई आपत्ति तथा किसी प्रविष्टि पर कोई आपत्ति हो तो वह प्रारूप 4, 5 व 6 भरकर 17 अक्तूबर, 2025 तक या इससे पूर्व उपरोक्त कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। डॉ. पूनम बंसल ने कहा कि कोई भी दावे व आपत्तियां आयुक्त नगर निगम सोलन एवं पुनरीक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में स्वयं, एजेंट व डाक के माध्यम से 17 अक्तूबर, 2025 तक जमा करवा सकते हैं।

निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशित

सोलन। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के आगामी निर्वाचन के लिए निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) के प्रारूप का आज प्रकाशन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए मतदाता की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रथम अक्तूबर, 2025 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि मतदाता सूची का प्रारूप ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) कार्यालय के साथ-साथ ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और ज़िला परिषद के कार्यालयों में निरीक्षण के लिए 08 अक्तूबर से 17 अक्तूबर, 2025 तक उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि मतदाता द्वारा दावे व आपत्तियां व्यक्तिगत रूप से, पंजीकृत डाक या लिखित रूप में सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी एवं पुनरीक्षण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक परिवार के सदस्यों के दावे एवं आपत्तियां परिवार के एक सदस्य द्वारा ही प्रस्तुत की जा सकती हैं।

शिक्षा मंत्री ने जुब्बल-कोटखाई क्षेत्र में विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज विधानसभा क्षेत्र जुब्बल कोटखाई में लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा से क्षतिग्रस्त सड़कों सहित भविष्य में नई सड़कों के निर्माण में ऐसी उत्तम तकनीक एवं मानकों का प्रयोग किया जाए जिससे आपदाओं और अन्य विषम परिस्थितियों में भी सड़कें बहाल बनी रहें।

रोहित ठाकुर ने कहा कि हमें भविष्य के निर्माण को इस तकनीक और डिजाइन से तैयार करना चाहिए। वर्ष 2023 और इस वर्ष भारी बरसात और बादल फटने जैसी परिस्थितियां अगर आगामी वर्षों में पुनः उत्पन्न हों, तो भी सड़कें सालभर बहाल रहें और अन्य अधोसंरचना भी क्षतिग्रस्त न हों। इस वर्ष भारी बरसात से लोक निर्माण विभाग के 14 रोहड़ू वृतों में तथा दो राष्ट्रीय राजमार्गों में कुल 167 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। इसमें जुब्बल मंडल में 53 करोड़, कोटखाई मंडल में 50 करोड़, रोहड़ू मंडल में 24 करोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग 705 में 35 करोड़ तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 707 में पांच करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस वर्ष आपदा ठीक ऐसे समय पर आई जब सेब सीजन शुरू हो रहा था। आपदा के कारण संपर्क मार्ग कट गए और सेब सीजन पर खतरा मंडराने लगा था। ऐसे में लोक निर्माण विभाग ने तत्परता दिखाई और विपरीत परिस्थितियों में भी संपर्क सुविधा बहाल कर सेब बागवानों को राहत प्रदान की। उन्होंने आपदा के दौरान कर्तव्य निष्ठा और पूरी जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त सभी सड़कों को छोटे वाहनों के लिए बहाल कर दिया गया है। क्षेत्र में लगभग 14 छोटी-बड़ी सड़कें अभी बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए बंद पड़ी हैं जिन्हें प्राथमिकता प्रदान करते हुए दीपावली तक सुचारु कर दिया जाएगा।

रोहित ठाकुर ने कहा कि जिन स्थानों पर भू-स्खलन लगातार हो रहा है अथवा किसी अन्य कारण से सड़क निर्माण कार्यों में कठिनाई आ रही है, ऐसे स्थानों में स्थाई सम्पर्क स्थापित करने के लिए विभाग को बैली पुल के विकल्प पर विचार करना चाहिए। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को आपदा पूर्व आवश्यकता आकलन (पीडीएनए) के तहत किए जाने वाले सभी कार्यों की निविदाएं 15 नवम्बर, 2025 से पूर्व जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी के घर, जमीन या संपति को खतरा बना है तो ऐसी जगहों पर प्राथमिकता से राहत पहुंचाने के कार्य किए जाने चाहिए। विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे स्थानों को चिन्हित कर सभी संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए।

शिक्षा मंत्री ने विभाग द्वारा निर्माणाधीन शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक भवनों एवं संस्थानों की भी समीक्षा की तथा इनके निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को विकास परियोजनाओं के लाभ जल्द से जल्द प्रदान किए जा सकें। उन्होंने कहा कि कोटखाई क्षेत्र में सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न भवनों सहित अन्य अधोसंरचनाओं के विकास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। आपदा के कारण वित्तीय संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है लेकिन इसके बावजूद हर परियोजना के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही है। बैठक में बहाली कार्यों, नाबार्ड के तहत किए जाने वाले कार्यों पीएमजीएसवाई-3 की परियोजनाओं, विश्व बैंक की परियोजनाओं और शिक्षा विभाग के कार्यों सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में 14 वृत्त रोहड़ू के अधीक्षण अभियंता प्रमोद उपरीति, जुब्बल मंडल के अधिशाषी अभियंता बलवीर ठाकुर, कोटखाई मंडल के अधिशाषी अभियंता अखिल चौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज की रोकथाम को आरपीजीएमसी टांडा में लगे इंसुलिन पंप

प्रत्येक पंप की कीमत लगभग तीन लाख रुपये बच्चों की जीवन-गुणवत्ता भी होगी बेहतर

पीडियाट्रिक एंडोक्राइन क्लिनिक में अब तक 140 ऐसे मरीज पंजीकृत

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज (आरपीजीएमसी) टांडा के बाल रोग विभाग के पीडियाट्रिक एंडोक्राइन क्लिनिक में अब तक 140 ऐसे मरीज पंजीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से आठ बच्चों को उन्नत इलाज के तहत इंसुलिन पंप लगाए गए हैं। प्रत्येक पंप की कीमत लगभग तीन लाख रुपये है और संस्थान में इन्हें सफलतापूर्वक इंस्टॉल किया गया। आरपीजीएमसी के प्राचार्य व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मिलाप शर्मा ने बताया कि टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में होने वाला एक ऑटोइम्यून विकार है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं पर हमला कर देती है। इससे शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है और यदि समय पर इलाज न मिले तो गंभीर जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

बाल रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा शर्मा ने जानकारी दी कि चंबा, कुल्लू, मंडी, हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा और यहां तक कि पंजाब के पठानकोट से भी 140 बच्चे इस बीमारी के इलाज के लिए टांडा में पंजीकृत हैं। बाल एंडोक्राइन विशेषज्ञ डॉ. अतुल गुप्ता, जो देश के पहले डीएम इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी हैं (पीजीआईएमईआर चंडीगढ़), ने बताया कि टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में छह माह की उम्र से लेकर 18 वर्ष तक हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसका इलाज न किया जाए तो डायबिटिक कीटोएसिडोसिस (क्ज्ञ।) जैसी जानलेवा स्थिति हो सकती है। उन्होंने कहा कि अब तक इसका इलाज केवल इंसुलिन इंजेक्शन पर आधारित था, लेकिन इंसुलिन पंप की सुविधा मिलने से बच्चों को बार-बार इंजेक्शन लगाने से राहत मिलेगी और रोग नियंत्रण बेहतर होगा।

डॉ. गुप्ता ने आगे बताया कि वर्ष 2022 तक गंभीर मरीजों को हिमाचल से बाहर बड़े संस्थानों में रेफर करना पड़ता था। मगर पिछले तीन वर्षों में आरपीजीएमसी टांडा में पीडियाट्रिक एंडोक्राइन क्लिनिक स्थापित होने के बाद समय पर हस्तक्षेप से बच्चों की जानलेवा जटिलताओं में काफी कमी आई है।

विदेशों में रोजगार का अवसर -यूएई में मिस्त्री, कारपेंटर व निर्माण श्रमिकों की भर्ती

09 अक्तूबर, 2025 को गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, बड़ू (हमीरपुर) में होंगे साक्षात्कार

धर्मशाला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी धर्मशाला अक्षय कुमार ने बताया कि विदेशों में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं के लिए सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मिस्त्री, कारपेंटर तथा निर्माण श्रमिकों के पदों हेतु एचआर भाटिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को मासिक वेतन 1500 दिरहम (जिसमें 1200 दिरहम मूल वेतन व 300 दिरहम भोजन भत्ता शामिल है), लगभग 36 हजार रुपये दिया जाएगा। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 5वीं पास रखी गई है तथा आवेदक के पास वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है। इच्छुक उम्मीदवार 09 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 9:00 बजे अपने मूल प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, बायोडाटा, पासपोर्ट आकार के फोटो व सभी दस्तावेजों की प्रतिलिपियों सहित हिमाचल प्रदेश गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, बड़ू (हमीरपुर) में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि साक्षात्कार में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को पूर्व में ही निम्नलिखित लिंक https://forms-gle/~ysKjwCB~rzpaqxHl पर जाकर अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप पूर्ण करना होगा। चयनित अभ्यर्थियों को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा अनुमोदित 30 हजार रुपये और जीएसटी शुल्क देना होगा। जिन अभ्यर्थियों के पास वैध पासपोर्ट नहीं है, उन्हें साक्षात्कार में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रभावी शासन और जनसहभागिता से वन क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय वृद्धिः मुख्यमंत्री

शिमला। देवभूमि हिमाचल ने एक बार पुनः यह साबित किया है कि यह प्रदेश देश के सबसे हरित और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक राज्यों में से एक है। पिछले दो दशकों में प्रदेश के वन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की द्विवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश का कुल वन क्षेत्र वर्ष 2003 में 14,353 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर वर्ष 2023 में 15,580.4 वर्ग किलोमीटर हो गया है। यह प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 25.73 प्रतिशत से बढ़कर 28 प्रतिशत हो गया है।

इसी प्रकार प्रदेश का वृक्ष क्षेत्र 2003 में 491 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2023 में 855.07 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो कुल क्षेत्रफल के 0.88 प्रतिशत से बढ़कर 1.53 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह वृद्धि वर्तमान प्रदेश सरकार के सतत वनीकरण, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन और जनसहभागिता आधारित वन प्रबंधन के सफल प्रयासों का परिणाम है। प्रदेश की यह उपलब्धि व्यापक पौधरोपण अभियानों, सरकार की विभिन्न योजनाओं और स्थानीय समुदायों, स्वयं सहायता समूहों व वन सहकारी समितियों की सक्रिय भागीदारी से संभव हुई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला मंडलों, युवक मंडलों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य पंजीकृत संस्थाओं की भागीदारी से वनीकरण अभियानों को नई गति मिली है। प्रत्येक संगठन को पांच हेक्टेयर तक के बंजर या क्षतिग्रस्त वन क्षेत्र को विकसित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस पर प्रति हेक्टेयर अधिकतम 1.20 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की जाएगी। एक हेक्टेयर से छोटे क्षेत्रों के लिए राशि निर्धारित अनुपात के अंतर्गत जारी की जाएगी। इसके अतिरिक्त, पौधों की जीवित रहने की दर के सत्यापन के आधार पर प्रति हेक्टेयर 1.20 लाख रुपये तक का प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार स्थानीय प्रजातियों के पुनर्स्थापन, उन्नत नर्सरी तकनीकों और जलागम आधारित भूमि प्रबंधन पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे प्रदेश में वनस्पति घनत्व और जैव विविधता में वृद्धि हुई है।

संयुक्त वन प्रबंधन (जेएफएम) और नई भागीदारी आधारित वन पुनर्स्थापन योजनाओं के तहत लोगों को वन संसाधनों का स्वामित्व और आजीविका से जुड़ा लाभ मिला है, जिससे पारिस्थितिक सुरक्षा भी सुनिश्चित हुई है।

प्रदेश के ये वन महत्वपूर्ण जलागम क्षेत्रों का निर्माण करते हैं, जो उत्तरी भारत की प्रमुख नदियों को जल प्रदान करते हैं, कृषि उत्पादकता को बनाए रखते हैं, स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं और प्रकृति से जुड़ी सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परंपराओं को भी सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि हिमाचल प्रदेश की यह उपलब्धि नीति-निष्ठा, वैज्ञानिक वन प्रबंधन और जनसहभागिता का प्रमाण है जिसके माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य का जलवायु अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र, समग्र भू-प्रबन्धन और जैव विविधता संरक्षण पर बढ़ता ध्यान प्रदेश की भारत की पेरिस समझौते और ग्रीन इंडिया मिशन के तहत की गई राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप जारी है।

बैंक का योगदान समाज में मानवीय सेवा की भावना को सशक्त बनाने वाला कदमः अतिरिक्त उपायुक्त

धर्मशाला। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी को क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला तथा डा0 राजेन्द्र प्रसाद मेडिकल कालेज, अस्पताल टाण्डा के रोगियों की सुविधा के लिए आईडीबीआई बैंक की ओर से आज एक एम्बुलेंस सहयोग स्वरूप प्रदान की गई। अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि आईडीबीआई बैंक का यह योगदान समाज में मानवीय सेवा की भावना को सशक्त बनाने वाला कदम है।

उन्होंने कहा कि यह एम्बुलेंस जरूरतमंदों, बीमार व्यक्तियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से प्रयोग में लाई जाएगी। जिला प्रशासन और रेडक्रॉस सोसाइटी यह सुनिश्चित करेंगे कि इस एम्बुलेंस का उपयोग पूर्ण रूप से मानवता की सेवा और सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए किया जाए।

अतिरिक्त उपायुक्त ने इस अवसर पर आईडीबीआई बैंक के रिजनल हेड अशोक कुमार सिंघल सहित बैंक की पूरी टीम, स्थानीय शाखा प्रबंधक और सभी स्टाफ सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा दिया गया यह सहयोग न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा बल्कि अन्य संस्थाओं को भी प्रेरित करेगा कि वे समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाएं। आईडीबीआई बैंक द्वारा प्रदान की गई यह एम्बुलेंस इन गतिविधियों में नई ऊर्जा और क्षमता का संचार करेगी।

इस अवसर पर सचिव जिला रेडक्रॉस सोसायटी ओपी शर्मा, निदेशक, खाद्य आपूर्ति विभाग पुनीत मल्ही, एवं जिला अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी कर्ण पठानिया, शाखा प्रबन्धक आईडीबीआई बैंक पवन कुमार, एजीएम चण्डीगढ़ जोन राहुल कपूर, सहायक प्रबन्धक स्वपन शर्मा, कनिष्ठ सहायक प्रबन्धक अतलाउल्लाह तथा टीएसएम आईडीबीआई बैंक अरूण कुमार उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा में एक और कदम, आईडीबीआई बैंक ने जिला रेडक्रॉस सोसाइटी को प्रदान की एम्बुलेंस

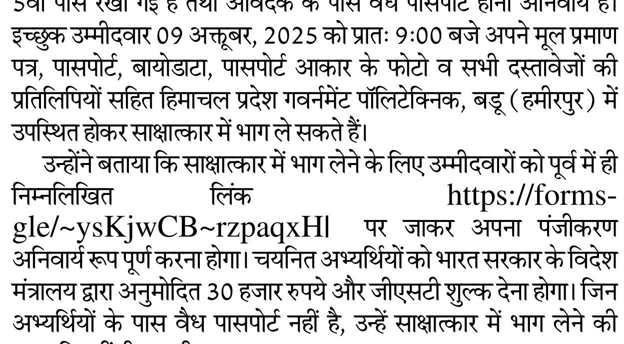

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

स्पीकर द्वारा महर्षि वाल्मीकि जी को उनके जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर महर्षि वाल्मीकि जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी एक महान आध्यात्मिक व्यक्तित्व के स्वामी थे, जिन्होंने महाकाव्य रामायण की रचना की।

उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी का आशीर्वाद पंजाब के लोगों के जीवन में शांति, खुशहाली और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आए। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। यह दिन हमें सत्य की अनंत शक्ति और सच्चाई के साथ जीवन जीने के महत्व की याद दिलाता है।

पंजाब रोडवेज का सुपरिंटेंडेंट 40,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान जालंधर के पंजाब रोडवेज डिपो-1 में तैनात सुपरिंटेंडेंट बलवंत सिंह को 40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आज यहां इस खुलासे के दौरान, विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला पंजाब रोडवेज के एक सेवानिवृत्त ड्राइवर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो को बताया कि उक्त सुपरिंटेंडेंट ने उसकी सेवानिवृत्ति से पहले बकाया ओवरटाइम बिल तैयार करने के बदले 50,000 रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता की अपील पर सुपरिंटेंडेंट ने इस काम के लिए 40,000 रुपये लेने के लिए सहमति जताई, लेकिन वह रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं था। उसने आगे आरोप लगाया कि लेबर कोर्ट में चल रहे उसके मामले की सुनवाई के दौरान दोषी आरोपी पहले ही उससे किस्तों में 1,54,000 रुपये हड़प चुका था।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की पुष्टि होने के बाद जालंधर रेंज की एक विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान उक्त सुपरिंटेंडेंट को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

IIT रोपड़ में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्वागत

हिन्द जनपथ
रोपड़: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ (IIT रोपड़) ने 1 अक्टूबर 2025 को अपने अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स और पीएचडी छात्रों के लिए एक विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया। यह आयोजन संस्थान के वैश्वीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसमें एशिया और अफ्रीका के लगभग दर्जन भर देशों से आए छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, IIT रोपड़ ने की। उन्होंने अपने स्वीडन में 30 वर्षों के अकादमिक अनुभव को साझा करते हुए अंतरराष्ट्रीय exposure की आवश्यकता पर बल दिया। 'अंतरराष्ट्रीयकरण अब विकल्प नहीं, नवाचार के लिए अनिवार्य है,' उन्होंने कहा। छात्रों ने अपने देशों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विविधता और एकता का सुंदर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, Taiwan Experience Education Program (TEEP) से लौटे छात्रों को सम्मानित किया गया।

प्रो. रोहित शर्मा, डीन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, ने संस्थान की वैश्विक साझेदारियों, आगामी एक्सचेंज प्रोग्राम्स और नए पहलों की जानकारी दी। कई विभागाध्यक्षों और शोध मार्गदर्शकों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों का समावेश IIT रोपड़ की प्राथमिकता है। छात्रों ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। एक नाइजीरियाई पीएचडी छात्र ने कहा, 'यह कार्यक्रम हमें यह एहसास दिलाता है कि हम यहां सिर्फ छात्र नहीं, बल्कि IIT रोपड़ परिवार का हिस्सा हैं।

यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उस दृष्टिकोण से मेल खाता है, जो भारतीय शिक्षा को अधिक अंतरराष्ट्रीय बनाने की दिशा में प्रेरित करता है। IIT रोपड़ ने हाल ही में यूरोप, अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ कई समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह स्वागत समारोह एक नई शुरुआत का संकेत था-एक ऐसा संस्थान जो दुनिया को अपनाने के लिए तैयार है, और जहां अंतरराष्ट्रीय छात्र सिर्फ मेहमान नहीं, बल्कि समुदाय के मूल्यवान सदस्य हैं।

अब खाद्यान्न की गुणवत्ता पर ध्यान देने की आवश्यकता: कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (ब्यूरो)। पंजाब के कृषि मंत्री स. गुरमीत सिंह खुडियां ने कहा कि पंजाब कृषि उत्पादन में अपनी उपज क्षमता के शिखर पर पहुँच गया है, इसलिए अब हमें खाद्यान्न की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

वह मोहाली के फेज़ 7 स्थित सुख शांति भवन में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित एक कृषि संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'पंजाब ने देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश के कुल चावल उत्पादन में पंजाब का योगदान लगभग 24 प्रतिशत और गेहूँ उत्पादन में 49 प्रतिशत है।'

उन्होंने पंजाब के कृषि वैज्ञानिकों और किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों के कारण ही भारत आज एक आत्मनिर्भर खाद्यान्न उत्पादक देश के रूप में उभरा है।

हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित किसानों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए, कृषि मंत्री ने आशा व्यक्त की कि पूरा देश पंजाब के प्रभावित किसानों के साथ खड़ा होगा और उनकी मदद के लिए आगे आएगा। इस अवसर पर कृषि निदेशक जसवंत सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) सोनम चौधरी और मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. गुरमेल सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा, ब्रह्माकुमारी सरला दीदी (माउंट आबू) और ब्रह्माकुमारी प्रेम लता, निदेशक, राजयोग केंद्र, सर्कल मोहाली ने भी अपने विचार साझा किए। इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों, सरपंचों और पंचों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में टिकाऊ कृषि प्रणालियों, पर्यावरण संतुलन और आध्यात्मिक कल्याण के कृषि से संबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मलोट के विभिन्न गांवों में लगभग 3.31 करोड़ रुपए की लागत वाले विकास कार्यों की शुरुआत

चंडीगढ़/मलोट/श्री मुक्तसर साहिब। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज मलोट हलके के गांव जंडवाला, थेहड़ी और फकरसर में लगभग 3.31 करोड़ रूपए की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि जब किसी काम की नीयत साफ हो, तो कोई भी रुकावट आड़े नहीं आती और हर कार्य सुचारू रूप से पूरा होता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य की प्रगति के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर रही है। अब तक के कार्यकाल में जितना विकास कार्य किया गया है, उतना पहले किसी भी सरकार ने नहीं किया। कैबिनेट मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे विकास कार्यों की स्वयं निगरानी करें और यदि कहीं कोई त्रुटि या गड़बड़ी दिखे तो तुरंत उनके ध्यान में लाएं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता पर किसी प्रकार का समझौता न हो।

डॉ. बलजीत कौर ने इस मौके पर लोगों की समस्याएं और मांगें भी सुनीं। कई मामलों का समाधान वहीं मौके पर किया गया, जबकि अन्य मुद्दों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर गांव जंडवाला के सरपंच निर्मल सिंह, गांव थेहड़ी की सरपंच मनप्रीत कौर, गांव फकरसर के सरपंच मनप्रीत सिंह ढिल्लों, संबंधित विभागों के अधिकारी और पंचायत सदस्य उपस्थित थे।

सतत पर्यटन, साझा समृद्धि

लेखक: केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

पर्यटन केवल यात्रा करना नहीं है, यह लोगों को जोड़ने वाला पुल है, रोज़गार का साधन है और हमारी संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम है। पर्यटन और सतत परिवर्तन को समर्पित इस विश्व पर्यटन दिवस पर, यह समझना जरूरी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत की पर्यटन यात्रा को कैसे नया रूप दिया गया है। जो पहले कभी मौसमी और बिखरा हुआ क्षेत्र था, वह आज योजनाबद्ध, समावेशी और सतत राष्ट्रीय विकास का प्रमुख साधन बन गया है।

यह बदलाव केवल कल्पनाओं में नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी में दिखाई देता है। जून 2025 तक भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या 16.5 लाख पहुंच गई, विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या 84.4 लाख रही और पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय 51,532 करोड़ तक पहुंची। अकेले 2023-24 में ही इस क्षेत्र ने जीडीपी में 15.73 लाख करोड़ का योगदान दिया, जो अर्थव्यवस्था का पांच प्रतिशत से अधिक है और 8.4 करोड़ से ज़्यादा नौकरियों को सहारा दिया। इन आंकड़ों के पीछे कारीगरों को नए बाज़ार मिलना, परिवारों का होमस्टे शुरू करना, और गाइड, चालक व छोटे व्यवसायियों के लिए लगातार काम और मांग का अवसर जुड़ा हुआ है।

इस प्रगति के केंद्र में प्रधानमंत्री का यह विश्वास है कि पर्यटन को राष्ट्रीय प्राथमिकता होना चाहिए, न कि कोई हाशिये की गतिविधि। नए हवाईअड्डों, आधुनिक रेल नेटवर्क, नवनिर्मित राजमार्गों और आंतरिक जलमार्गों से बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी का विस्तार किया गया। उड़ान योजना ने हवाई यात्रा को छोटे शहरों की पहुंच में ला दिया। धरोहर स्थलों और तीर्थ यात्राओं के मार्गों तक बेहतर अंतिम कनेक्टिविटी ने उन लाखों लोगों के लिए यात्रा संभव कर दी, जो पहले दूरी या खर्च के कारण वंचित रह जाते थे। इस तरह पर्यटन अब केवल शहरी विलासिता न होकर संतुलित क्षेत्रीय विकास का साधन बन गया है।

गंतव्य (डेस्टिनेशन) विकास भी इसी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है। स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद जैसे कार्यक्रम स्थिरता और सांस्कृतिक अखंडता को अपने केंद्र में रखते हैं। डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गनाइजेशन की शुरुआत ने सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को एक साथ जोड़ा है, ताकि संसाधनों का समझदारी से उपयोग हो और लाभ सब तक समान रूप से पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने यह भी नया दृष्टिकोण दिया है कि भारत दुनिया के सामने खुद को कैसे प्रस्तुत करे। नए रूप में अतुल्य भारत पोर्टल, वैश्विक यात्रा प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के नए तरीके ने सबसे छोटे संचालकों, ग्रामीण मेजबानों, होमस्टे चलाने वाले परिवार, सांस्कृतिक उद्यमियों को भी वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने का अवसर दिया है। तकनीक अब केवल प्रचार का साधन ही नहीं रही, बल्कि डेटा-आधारित प्रबंधन के ज़रिए संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा का माध्यम भी बन गई है।

हालांकि, इस बदलाव की सबसे बड़ी विशेषता स्थिरता है। प्रधानमंत्री ने अपने व्यापक लाइफ आंदोलन(लाइफस्टाइल फॉर एंवायरमेंट) को आगे बढ़ाते हुए ट्रैवल फॉर लाइफ की शुरुआत की, जिसमें पर्यटन को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया। कम प्रभाव वाले ग्रामीण अनुभवों से लेकर पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बुनियादी ढांचे और ज़िम्मेदार तीर्थ प्रबंधन तक, पूरा ज़ोर इस बात पर है कि यात्रा प्रकृति को संवारने वाली हो, न कि उसे नुकसान पहुँचाने वाली। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत, वैश्विक पर्यटन को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए 'गोवा रोडमैप' को आगे बढ़ाया गया, जिसमें हरित विकास, कौशल विकास, डिजिटलीकरण और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के समर्थन को वैश्विक चर्चा के केंद्र में रखा गया।

ज़्यादा यात्रियों का मतलब है ज़्यादा भरे हुए होटल, स्थानीय सेवाओं की बढ़ती माँग और कारीगरों व उद्यमियों के लिए नए अवसर। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ज़ोर दिया है, सामर्थ्य केवल एक आर्थिक साधन नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है, राजकोषीय सुधारों ने भी इन संरचनात्मक बदलावों को और मज़बूती दी है। हाल का सबसे अहम कदम रहा 1,000 से 7,500 रुपये तक के होटल कमरों पर जीएसटी घटाकर 5% करना। यह सोच-समझकर उठाया गया कदम था ताकि मध्यम वर्ग के यात्री प्रोत्साहित हों, जिनकी तीर्थ यात्राएं, वीकेंड ट्रिप और ग्रामीण प्रवास पर्यटन क्षेत्र को बड़ा सहारा देते हैं। हालांकि, इनपुट टैक्स क्रेडिट वापस लेने पर बहस जारी है, लेकिन इसका व्यापक असर स्पष्ट है। किफ़ायती दामों ने अधिक लोगों के लिए पर्यटन का रास्ता खोला है। अधिक यात्री मतलब भरे हुए होटल, स्थानीय सेवाओं की ज़्यादा मांग और कारीगरों व उद्यमियों के लिए नए अवसर। जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने ज़ोर देकर कहा है, किफ़ायत सिर्फ़ आर्थिक उपाय नहीं बल्कि एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है, जो यात्रा को कुछ लोगों के विशेषाधिकार के बजाय बहुतों का अधिकार बनाता है।

फिर भी, प्रधानमंत्री लगातार यह याद दिलाते रहे हैं कि केवल नीतियां ही काफी नहीं हैं। असली बदलाव के लिए समुदाय का सहयोग जरूरी है। इसीलिए कार्यक्रम स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षित करते हैं, पर्यावरण-अनुकूल आतिथ्य को प्रोत्साहित करते हैं, कारीगरों को व्यापक बाज़ारों तक पहुंचने में मदद करते हैं और तीर्थयात्रा मार्गों की पवित्रता की रक्षा करते हैं। इस दृष्टि में पर्यटन ऊपर से थोपा नहीं जाता, बल्कि उन्हीं लोगों के साथ मिलकर गढ़ा जाता है, जिनकी ज़िंदगी पर इसका सबसे गहरा असर पड़ता है।

चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। ढांचे की कमियां, जलवायु परिवर्तन की संवेदनशीलताएं, और आधुनिक यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाएं, लेकिन आज भारत के पास इनसे निपटने के साधन हैं। मोदी जी के नेतृत्व में हमने ऐसी संस्थाएं, वित्तीय मॉडल और शासन व्यवस्था तैयार की हैं जो इन चुनौतियों का सामना कर सकें।

आगे बढ़ते हुए, तीन प्राथमिकताएं हमें मार्गदर्शन देंगी। हमें स्थिरता को और गहरा करना होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास हमेशा पर्यावरणीय लाभ भी दे। हमें लाभों को लोकतांत्रिक बनाना होगा, यानी स्थानीय नौकरियां पैदा करने वाले एमएसएमई और मध्यम स्तर के उद्यमों में निवेश करना होगा। और हमें शासन और डेटा को मजबूत करना होगा ताकि संसाधनों का समझदारी से प्रबंधन हो और संपत्तियों की रक्षा हो सके। भारत का अनुभव यह साबित करता है कि जब सुसंगत नीति, राजकोषीय विवेक और समुदाय की भागीदारी दूरदर्शी नेतृत्व के तहत एक साथ आती है, तो असली बदलाव संभव होता है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर, आइए हम यह संकल्प लें कि जिम्मेदारी के साथ यात्रा करेंगे, स्थानीय रोज़गार का समर्थन करेंगे और हर यात्रा कार्यक्रम में विकसित भारत के वादे को जीवंत रखेंगे। सही ढंग से पोषित पर्यटन न केवल हमारी अर्थव्यवस्था का स्तंभ बनेगा, बल्कि भारत की सभ्यतागत लोक व्यवहार यानी खुला, सहनशील और आतिथ्यपूर्ण का जीवित प्रमाण भी बनेगा। आगे का रास्ता लंबा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने वाहन तैयार कर लिया है। अब हमें इसे सावधानी, साहस और साझा उद्देश्य की भावना के साथ चलाना होगा।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री हैं।)

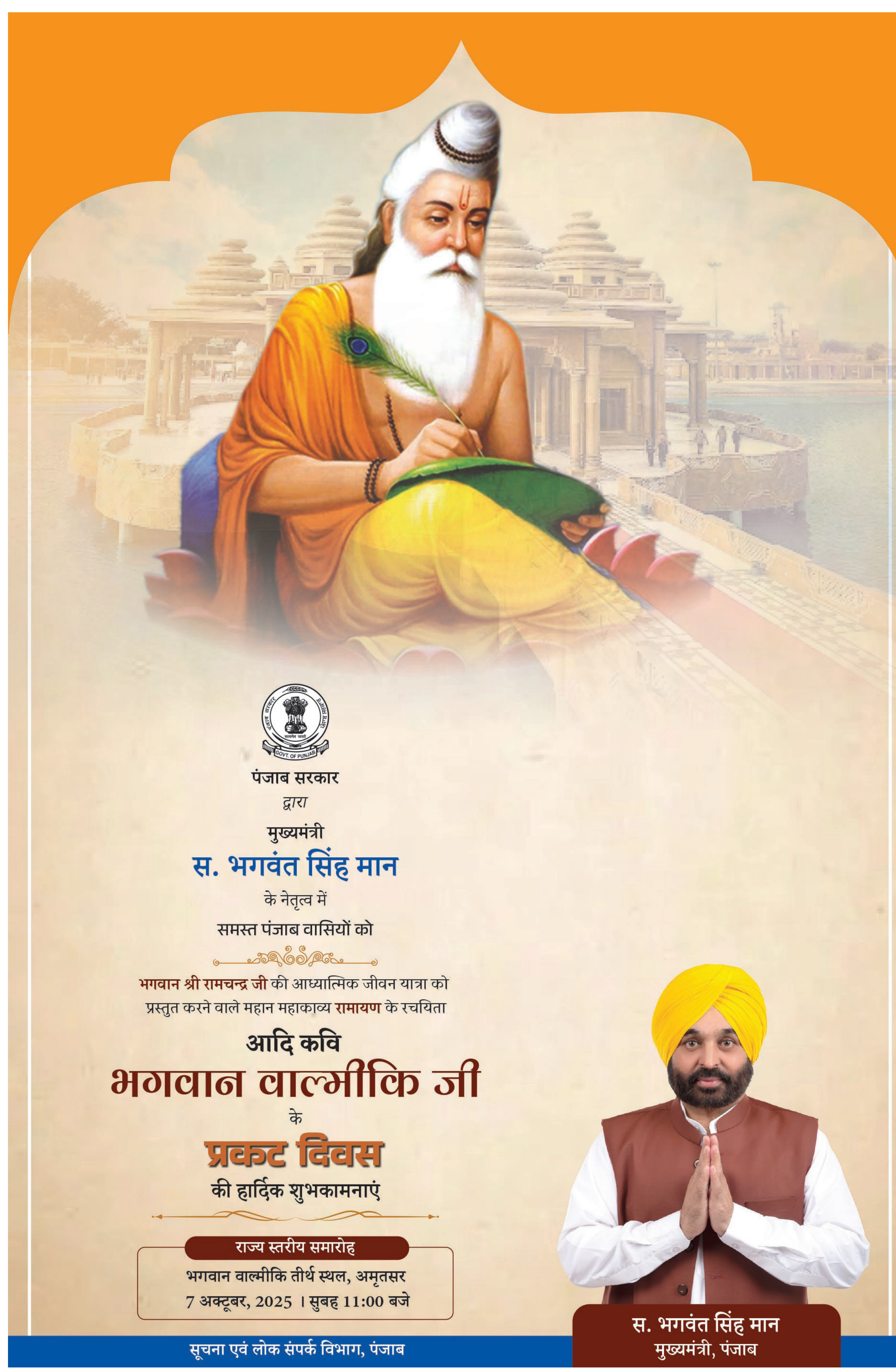

संपादकीय

छुआछूत का अभिशाप

हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू में एक दलित बच्चे के साथ मारपीट और फिर उसका कथित तौर पर आत्महत्या कर लेना शर्मनाक है। यह घटना बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं। बदलाव के लिए दोषियों को दंड दिलाना ही काफी नहीं, लोगों की मानसिकता भी बदलनी होगी।~आरोपों के मुताबिक, यह घटना 16 सितंबर की है। क्लास 6 में पढ़ने वाला 12 साल का बच्चा गांव की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। बच्चा दलित था, जबकि दुकान अगड़ी जाति के परिवार की। बताया जा रहा है कि दुकान पर कोई नहीं था, तो बच्चा घर में घुस गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने उसे धमकाया, मारा-पीटा और फिर घर का शुद्धिकरण करने के लिए एक बकरी की मांग की। कथित तौर पर घबराए बच्चे ने बाद में कीटनाशक पीकर जान दे दी।आरोपी महिला पर पहले आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ था। बाद में जब तक एससी/एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं, तब तक उसे हाई कोर्ट से जमानत मिल गई। अब जब मामला तूल पकड़ रहा है, तो पुलिस जांच में तेजी आई है।हिमाचल की यह वारदात देश में जाति के नाम पर होने वाले अत्याचारों का एक काला सच है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में देशभर में दलितों के खिलाफ अपराध के 51 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे और इनमें 80 प्रतिशत से ज्यादा केवल केवल 6 राज्यों के थे - यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा और महाराष्ट्र। इन आंकड़ों से भी ज्यादा चिंताजनक बात यह रही कि एससी/एसटी एक्ट के तहत सजा मिलने की दर में कमी नोट की गई - साल 2020 में कनविनेशन रेट 39.2 प्रतिशत था, जबकि 2022 में 32.4 प्रतिशत। भले ही कुछ जगहों से केस ज्यादा सामने आए हों, लेकिन कोई भी राज्य यह दावा पूरी तरह से नहीं कर सकता कि उसके यहां दलितों को किसी तरह का अपमान या अत्याचार नहीं सहना पड़ता।

इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। इस दिवस को 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2025 में यह 33वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा। इस साल की थीम है-'शिक्षण को सहयोगी पेशे के रूप में फिर से परिभाषित करना।' इसका मतलब है कि पढ़ाई सिर्फ एक व्यक्ति का काम नहीं होना चाहिए। शिक्षक आपस में मिलकर अनुभव शेयर करें, नई तकनीकें अपनाएं और मिलकर शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएं। इस तरह शिक्षक न सिर्फ अपने पेशे में संतुष्ट रहेंगे, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी।

शिक्षा युद्ध मानसिकता को बदलने का सशक्त माध्यम बने

(ललित गर्ग)

विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट के तत्वावधान में मनाया जाता है। इस दिन आध्यापकों को सामान्य रूप से और कतिपय कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। इस दिवस को 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2025 में यह 33वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा। इस साल की थीम है-'शिक्षण को सहयोगी पेशे के रूप में फिर से परिभाषित करना।' इसका मतलब है कि पढ़ाई सिर्फ एक व्यक्ति का काम नहीं होना चाहिए। शिक्षक आपस में मिलकर अनुभव शेयर करें, नई तकनीकें अपनाएं और मिलकर शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएं। इस तरह शिक्षक न सिर्फ अपने पेशे में संतुष्ट रहेंगे, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। इस साल का संदेश यही है कि शिक्षा को सुधारने के लिए शिक्षण को व्यक्तिगत प्रयास से ऊपर उठाकर साझेदारी और सहयोग का पेशा बनाना होगा। जब शिक्षक मिलकर विचार साझा करेंगे और जिम्मेदारियां बांटेंगे, तभी शिक्षा अधिक प्रभावी और प्रेरक बन पाएगी। शिक्षक सिर्फ ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि वे समाज में नवाचार, समानता और परिवर्तन के बीज बोते हैं। वे बच्चों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस सिखाते हैं, शिक्षक ही दुनिया में शांति एवं सह-जीवन का प्रभावी सन्देश दे सकते हैं। शिक्षक को पर्याप्त सम्मान, सहयोग और अवसर मिलें तो शिक्षा के माध्यम से एक आदर्श समाज-व्यवस्था एवं शांति की विश्व-संरचना स्थापित की जा सकती है। 2025 में विश्व शिक्षक दिवस की सबसे बड़ी सभा अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित हो रही है।

विश्व शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता या शिक्षकों का अभिनंदन करने का अवसर भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है शिक्षा की दिशा और दशा को लेकर गहन चिंतन करने का। यह अवसर है यह विचारने का कि आज शिक्षा क्या दे रही है और क्या उसे देना चाहिए। यह अवसर है यह पूछने का कि आज की शिक्षा व्यवस्था केवल नौकरी, व्यवसाय और उपभोग की भूख को बढ़ाने का साधन क्यों बन गई है, क्यों उसमें जीवनमूल्य, नैतिकता, शांति, सहअस्तित्व और अहिंसा जैसे आधारभूत तत्व लुप्त होते जा रहे हैं। यदि शिक्षा का ध्येय केवल ज्ञानार्जन या रोजगार प्राप्ति है तो वह अधूरी है। शिक्षा का परम ध्येय है-मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसे सह-अस्तित्व, अमन और अयुद्ध की स्थितियों के प्रति उन्मुख करना।

आज दुनिया भय, हिंसा, युद्ध और तनाव के घेरे में है। तकनीक और विज्ञान ने सुविधाएं दी हैं, लेकिन उसके साथ शस्त्र-प्रतिस्पर्धा, परमाणु हथियारों का अंबार, और हिंसक प्रवृत्तियां भी दी हैं। इस भयावह परिदृश्य में शिक्षा का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। शिक्षा को एक आंदोलन बनना होगा, एक वैश्विक अभियान बनना होगा, जो शांति, अहिंसा और अयुद्ध की भावना को संस्कार के रूप में हर हृदय में स्थापित करे। आज की शिक्षा व्यवस्था पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित होकर स्पर्धा, लाभ और अहंकार की मानसिकता पैदा कर रही है। बच्चे स्कूल और कॉलेजों में डिग्री तो प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके भीतर करुणा, दया, सत्य, मैत्री और सहयोग जैसे गुणों का विकास नहीं हो रहा। समाज का ढांचा शिक्षा से निर्मित होता है, यदि शिक्षा अधूरी है तो समाज भी अधूरा रहेगा। अतः एक ऐसी नई शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अध्यात्म और नैतिकता का संगम हो, जिसमें 'आत्मा की आवाज़' सुनी जा सके, जिसमें शिक्षा केवल बुद्धि का पोषण न होकर हृदय और संवेदनशीलता का भी निर्माण करे।

मानवता का सबसे बड़ा संकट युद्ध और हिंसा है। युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं होता, बल्कि वह हमारे विचारों में, हमारी इच्छाओं में और हमारी संस्कृति में पलता है। शिक्षा का कार्य है इस युद्ध-मानसिकता को बदलना। शिक्षा को बच्चों और युवाओं के मन में यह स्थापित करना होगा कि शक्ति का वास्तविक स्वरूप हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा में है। युद्ध में नहीं, बल्कि शांति में है। महात्मा गांधी ने कहा था यदि हमें शांति चाहिए तो हमें बच्चों को शांति की शिक्षा देनी होगी। यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न होकर व्यवहार का हिस्सा बने। शिक्षक स्वयं शांति के प्रतीक हों, वे अपने आचरण और जीवन से यह संदेश दें कि संघर्ष का समाधान हथियारों से नहीं, संवाद और सहमति से होता है।

शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं या संस्थागत ढांचे पर नहीं छोड़ देना चाहिए। इसे एक आंदोलन के रूप में चलाने की आवश्यकता है। यह आंदोलन अहिंसा का शिक्षण कराए, संवाद की संस्कृति विकसित करे, मानवता को जाति-धर्म और राष्ट की सीमाओं से परे प्राथमिकता दे, पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता पैदा करे और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करे। यह आंदोलन तभी सफल होगा जब शिक्षक अपनी भूमिका को समझेंगे और केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाले बनेंगे। वे दीपक की तरह स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश दें। उनके व्यक्तित्व में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा और सेवा का भाव झलके। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाए, बल्कि जीवन पढ़ाए। एक विचारक ने कहा है-शिक्षक वह नहीं है जो तुम्हें तथ्यों का ज्ञान कराए, बल्कि वह है जो तुम्हें सोचने के लिए प्रेरित करे। इसके लिये केवल शिक्षा-क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक-क्रांति अपेक्षित है। आज आवश्यकता है कि शिक्षक बच्चों के हृदय को छूने वाले बने, वे केवल करियर बनाने की चिंता न करें, बल्कि चरित्र बनाने का प्रयास करें। शिक्षा रोजगारपरक ही नहीं, जीवनपरक हो। यदि दुनिया में शांति चाहिए, यदि आतंकवाद, हिंसा और युद्ध को समाप्त करना है तो हमें शिक्षा की दिशा बदलनी होगी। शांति और अहिंसा के बीज बचपन में बोने होंगे। अयुद्ध की स्थितियां केवल समझौते से नहीं, बल्कि संस्कार से पैदा होती हैं। शिक्षा को संस्कार की धारा बनना होगा। नए युग की शिक्षा व्यवस्था को यह संकल्प लेना होगा कि वह ऐसे मनुष्य तैयार करेगी जो भौतिक समृद्धि में ही नहीं, आध्यात्मिक ऊंचाई में भी आगे हों। जो हथियार न बनाएँ, बल्कि हाथों में करुणा और सहयोग का दीपक थामें। जो दूसरों के शोषण पर नहीं, बल्कि साझा सुख पर विश्वास करें।

विश्व शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल शिक्षकों और छात्रों की बात नहीं है, यह समूची मानवता का प्रश्न है। शिक्षा को यदि हम सही दिशा देंगे तो यह दुनिया स्वर्ग बन सकती है। यदि गलत दिशा देंगे तो यह नर्क में बदल सकती है। आज आवश्यकता है एक वैश्विक शिक्षा-आंदोलन के साथ-साथ शिक्षक-आन्दोलन की, जिसमें हर राष्ट, हर समाज और हर व्यक्ति की भागीदारी हो। नई शिक्षा व्यवस्था वही होगी जो युद्ध की संस्कृति को बदलकर शांति की संस्कृति स्थापित करे, हिंसा की प्रवृत्तियों को बदलकर अहिंसा की चेतना जगाए, और स्वार्थ की जगह सहयोग को जीवन का मूल मंत्र बनाए। यही शिक्षा का सच्चा उत्सव होगा, यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

थलसेना, वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है।

भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया है– भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है, बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को विश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा। यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं।

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज़ कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ़ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा है– भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और पूरी तरह तैयार रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा।

दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की मनोरंजनक कहानियों को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। एफ-16 और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर एस-400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है।

देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है।

आज भारत का आत्मविश्वास केवल हथियारों की नोक पर नहीं, बल्कि नैतिक बल और सामरिक स्पष्टता पर टिका है। आतंकवाद को मिटाने का भारत का अधिकार अब विवाद का विषय नहीं रहा। सवाल सिर्फ यह है कि पाकिस्तान कब तक झूठ और इंकार की आड़ में अपनी नाकामियों को छिपाता रहेगा।

इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाया था। सेनाध्यक्ष ने उस परंपरा को याद दिलाकर साफ़ कर दिया है कि आने वाली जंग, अगर पाकिस्तान ने विवेक नहीं दिखाया, तो केवल सेनाओं की नहीं होगी, यह राष्ट की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य की जंग होगी।

देखा जाये तो आज भारतीय सेना और वायुसेना न केवल तकनीकी आधुनिकीकरण, बल्कि रणनीतिक सोच में भी नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं। ड्रोन से लेकर मिसाइल डिफेंस तक, हर स्तर पर भारत की तैयारी यह बताती है कि दुश्मन की हर चाल का जवाब कहीं अधिक ताकतवर और घातक होगा।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत बदल चुका है। यह नया भारत संयम और प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। और जब कोई राष्ट अपने सैनिकों, तकनीक और नैतिक बल–तीनों में इतना आत्मविश्वासी हो जाए, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है। पाकिस्तान चाहे जितनी कहानियाँ सुनाए, सच्चाई यही है कि भारत अब न केवल तैयार है, बल्कि हर आक्रामकता का हिसाब लेने को तत्पर भी है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5875

1	2		3	4	■	5	6
7		■	8		9		
	■	10		■		■	
■	11			■	12	13	
14			■	15	■		■
	■	16	17		■	18	19
20	21			■	■	22	
23		■		■	24		

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1966 के दिन इस भारतीय महिला ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था (5)
5. अव्यक्त मधुर ध्वनि (2)
7. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
8. एक ही समय होने वाला (5)
10. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
11. निजका, आत्म का (3)
12. संज्ञा या सर्वनाम की वह स्थिति जो वाक्य में क्रिया के साथ उसका संबंध बतलाती है, करने वाला (3)
14. पहर-पहर पर बजने वाला घंटा, जल्दी-जल्दी बजने वाला शब्द, भोर का घंटा (3)
16. साज या वाद्य बजाने की क्रिया (3)
18. भ्रम, संदेह, संशय, भय (2)
20. रत्न, मणि, नग, नगीना (4)
22. अल्प, थोड़ा, न्यून (2)
23. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
24. सद्गति को प्राप्त करवाना (3)

(ऊपर से नीचे

1. पढ़ने वाला, पाठक, कुलाध्यक्ष (3)
2. नृत्य में उसके काल और क्रिया का परिणाम (2)
3. रिसाने में प्रवृत्त करना (4)
4. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
5. एक युग प्रवर्तक देवता, पुराणानुसार 432000 वर्षो तक इस देवता का अधिकार रहेगा (2)
6. अत्यंत दुबला-पतला, लंबी गर्दन वाला एक जलपक्षी (4)
9. वेश्वांतर दानव की चार पुत्रियों में से एक (3)
10. निश्चित, बेफिक्र, असावधान (5)
11. एक सूर्यवंशी राजा का नाम जो दशरथ के पिता थे (2)
13. यह नाम सितार वादन के साथ जुड़ा है (5)
14. घोर शब्द करना, आर्तनाद करना (4)
15. निरूत्तर, चुप होने का भाव (2)
17. एक प्रकार की बांस की चटाई (3)
19. हसरत, तमन्ना, अभिलाषा, वांछा (3)
21. अपान वायु, हवा (2)

वर्ग पहेली 5874 का हल

मि	हि	र	से	न	■	क	म
ला	ल	■	वा	क	प	टु	ता
न	ग	ज	■	ब	ल	■	धि
■	ना	न	प	ज	■	डं	का
सो	■	■	ह	न	न	■	र
ह	ल	च	ल	■	सी	धा	■
ब	ला	■	वा	जि	ब	■	धा
त	ट	■	न	■	■	मौ	र

राम का एक ही चेहरा हैः जिस आदमी ने एक चेहरा पा लिया, वह राम हो गया

(आचार्य रजनीश)

राम का एक ही चेहरा है। सुख में, दुख में, महल हो या जंगल में, उनके चेहरे में भेद नहीं। और जिस आदमी ने एक चेहरा पा लिया, वह राम हो गया।

हम या तो रावण हो सकते हैं या राम, मध्य में होने का कोई उपाय नहीं। हमारे मन की तकलीफ यह है कि यह तो हम भी समझते हैं कि राम हम नहीं हैं, मगर यह अहंकार को चोट देती है कि तो फिर रावण ही बचते हैं, वह मानने को मन राजी नहीं होता। मन कहता है, माना कि राम नहीं हैं, क्योंकि इतनी घोषणा करनी भी जरा मुश्किल मालूम पड़ती है। चारों तरफ लोग जानते हैं कि राम हम नहीं हैं, किसके सामने घोषणा करें? लोग सिर्फ हंसेंगे। तो राम तो हम होने को नहीं कह पाते। कहना तो चाहते हैं, कह नहीं पाते, वास्तविक कठिनाइयां हैं, लेकिन रावण मानने का भी मन नहीं होता। तो बीच का मार्ग हम खोज लेते हैं। अगर रावण के व्यक्तित्व को समझें, तो पाएंगे कि तुम मध्य में तो हो ही नहीं सकते, छोटे या बड़े रावण हो सकते हो।

रावण में ऐसा क्या है, जो हममें नहीं? इसे समझें। रावण में साम्राज्य विस्तार की आकांक्षा है, लेकिन वह बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता भी है। रावण के गुणधर्मों में ऐसा कौन-सा है, जो हम खुद में न पाएं।

रावण धन का दीवाना है, इसलिए उसकी स्वर्ण की नगरी है। फिर भी दूसरे का धन, दूसरे का राज्य उसे आकर्षित करता है। राम की अयोध्या सोने की नहीं है, फिर भी राम को दूसरे की किसी चीज या राज्य में कोई रस नहीं है।

राम जैसी चेतना का व्यक्ति झोपड़े में रहे, तो भी महल आकर्षित नहीं करता। राम जैसा व्यक्ति जहां भी रहे, वहीं महल है। रावण जैसा व्यक्ति जहां भी रहे, वहीं दुख है। रावण के दस सिर कहे हैं हमने। हर आदमी के दस सिर हैं। क्योंकि हमको कई चेहरे तैयार रखने पड़ते हैं, सुबह से शाम तक कई दफे बदलने पड़ते हैं।

राम का एक ही चेहरा है। सुख में, दुख में, महल हो या जंगल में, उनके चेहरे में भेद नहीं। और जिस आदमी ने एक चेहरा पा लिया, वह राम हो गया। यानी उसका चेहरा प्रामाणिक हो गया, जिसका चेहरा भीतरी हो गया, जो बाहर को देखकर चेहरे नहीं बदलता। उसका होना थिर हो गया है। इसी थिरता का नाम राम है। रावण को मारना इसीलिए मुश्किल हुआ कि असली चेहरे का पता ही नहीं है, झूठ के चेहरे को काट भी दो, तो कोई फर्क नहीं पड़ता, न वहां रक्त है, न मांस है, वह सिर्फ एक ख्याल था, उसे काट दिया, तो आप तुरंत दूसरा पैदा कर लोगे।

आज का राशिफल

मेष

आज आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इससे आपक सहयोगयों का मूड कुछ खराब हो सकता है। हालांकि आप अपने व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात के समय पत्नी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

आज जातकों का पारिवार के लोगों के साथ सुखद बीतेगा। आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। दोपहर तक किसी शुभ समाचार के मिलने से आपको प्रसन्नता होगी। हालांकि, आज के दिन आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। शाम के समय किसी ऐसे अतिथि का घर में आगमन हो सकता है, जिसका बहुत लंबे समय से आप इंतजार कर रहे थे।

मिथुन

आज का दिन बेहद शुभ रहने वाला है। आज पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति होती दिख रही है। आज के दिन व्यस्तता अधिक रहेगी। हालांकि, आपको फिजूल के खर्चों से बचना होगा। शाम से लेकर रात तक वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतें।

कर्क

आज का दिन उत्तम रहने वाला है। राशि स्वामी की उत्तम स्थिति और राशि पर बृहस्पति का द्वादश होकर परिभ्रमण आपके लिए शुभ रहने वाला है। अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति के संयोग बनरहे हैं। व्यावसायिक योजनाओं को आज के दिन गति मिलेगी। राज्य में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी।

सिंह

आज राजनीतिक क्षेत्र में सोच से अधिक सफलता मिलेगी। आपको कोई बड़ा पद या जिम्मेदारी मिल सकती है। संतान के प्रति आपको अपने दायित्व की पूर्ति का समय मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। आज रूका हुआ कार्य भी सम्पन्न होगा। पाचन से संबंधित कोई परेशानी या आंखों की समस्या हो सकती हैं।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में तत्परता से आपको लाभ होगा। घर-परिवार में किसी मंगल कार्यों के आयोजन से आपको खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आज के दिन किसी प्रकार की विपरीत परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अपने क्रोध पर काबू रखें। घर गृहस्ती की समस्या सुलझ जाएगी।

तुला

आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नये स्रोत बनेंगे। अपनी बातों को प्रभावी ढंग से रखने की कला आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। आज का दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर बूरा असर डाल सकता है ।ऐ से में सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

वृश्चिक

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहने वाला है। धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होने के योग दिख रहे हैं। आज के दिन रूका हुआ कार्य सिद्ध होगा। लंबे समय पर किसी खास से भेंट हो सकती है। वाणी पर संयम रखाना होगा, नहीं तो विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम के समय प्रियजनों से भेंट और रात में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त हो सकता है।

धनु

आज घर की जरूरी वस्तुओं पर धन का खर्चा हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में किसी कर्मचारी या किसी करीबी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रूपये-पैसे से संबंधित लेन-देन में सावधानी बरतें। आज आपका धन कहीं फंसता हुआ दिख रहा है। दिन में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं।

मकर

आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। मकर राशि वालों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती दिख रही है। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन सकती है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी और पारिवारिक उत्तरदायित्व भी आज पूरे होंगे। शाम के समय में धार्मिक स्थानों की यात्रा की योजना स्थगित हो सकती है।

कुंभ

आज पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट हो सकता है। इसके कारण भागदौड़ करनी पड़ेगी और खर्चों के बढ़ने की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति की लेन-देन के समय अधिक सावधानी बरते। कागजी कार्रवाई से पहले संपत्ति के सारे संवैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार होता नजर आएगा।

मीन

आज वैवाहिक जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आज पास व दूर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। बिजनेस में लगातार हो रही तरक्की से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय घूमने फिरने के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। इससे आपका दिमाग भी रिलेक्स होगा।

कंपनी को मिला 712 करोड़ का सोलर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सीगल इंडिया के शेयर खरीदने के लिए आज निवेशक टूट पड़े हैं। 712 करोड़ रुपये के सोलर प्रोजेक्ट मिलने की खबर के चलते इसके शेयरों की मांग बढ़ गई और शेयर ने इंट्राडे में 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 273.70 प्रति शेयर का उच्चस्तर छुआ। सुबह 10ः00 बजे तक, सीगल इंडिया के शेयर 267.25 प्रति शेयर के भाव पर 2.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। इसकी तुलना में, बीएसई सेंसेक्स 81,399.04 अंकों पर 0.24 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ चल रहा था।

आखिर क्यों बढ़ा शेयर भाव आज

सीगल इंडिया के शेयरों में आज की बढ़त का कारण कंपनी को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से 2 अक्टूबर, 2025 की 712 करोड़ मूल्य के प्रोजेक्ट का पत्र प्राप्त होना है।

यह अवार्ड सीगल को मुख्यमंत्री सूर कृषि वाहिनी योजना 2.0 के तहत 190 मेगावाट की कुल क्षमता वाली सोलर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं के लिए एक सोलर पावर डेवलपर के रूप में नियुक्त करता है। इन परियोजनाओं में महाराष्ट्र के चार जिलों में ग्रिड-जुड़े सोलर पावर प्लांट स्थापित करना शामिल होगा।

बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर के मुताबिक एक एक्सचेंज फाइलिंग में, सीगल इंडिया ने कहा, हमें आपको सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि कंपनी को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से मुख्यमंत्री सूर कृषि वाहिनी योजना 2.0 स्कीम के तहत 190 मेगावाट की कुल क्षमता वाली सोलर फोटोवोल्टिक पावर जेनरेटिंग स्टेशनों के लिए एक सोलर पावर डेवलपर के रूप में 2 अक्टूबर, 2025 की एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसका उद्देश्य महाराष्ट्र राज्य के 4 जिलों में ग्रिड-जुड़ी सोलर पावर परियोजनाएं स्थापित करना है।

अनुमान है कि इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में 18 महीने का समय लगेगा, और इसके बाद इसकी परिचालन अवधि 25 वर्ष की होगी। इस परियोजना की लागत 712.16 करोड़ (जीएसटी सहित) है।

सीगल इंडिया के ऑपरेशनल रेवेन्यू में पहली तिमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि वित्त वर्ष 25 के 803.8 करोड़ की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होकर 838.2 करोड़ हो गया। ईबीआईटीडीए 109.1 करोड़ पर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 125.5 करोड़ से थोड़ा कम है।

शेयर खरीदने को मची लूट

एचईसी इन्फ्रा को 47.98 करोड़ के पावर व वॉटर इंफ्रा ऑर्डर

अहमदाबाद, एजेंसी। एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एचईसी, कंपनी) एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, जो कि विद्युत, यांत्रिक और इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यों में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी ईपीसी कंपनियों में से एक है, ने दो महत्वपूर्ण ऑर्डर्स प्राप्त किए हैं, जिससे इसकी मजबूत ऑर्डर बुक और भी सशक्त हुई है। उन्नत परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने की सिद्ध विशेषज्ञता, साथ ही गुणवत्ता, सुरक्षा और समय पर निष्पादन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता, ग्राहकों के बीच लगातार विश्वास बढ़ा रही है। ये सफलताएं न केवल एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की ऑर्डर बुक को मजबूत करती हैं, बल्कि सरकारी और निजी क्षेत्र की पहलों में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने की इसकी क्षमता को भी पुष्ट करती हैं। एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री गौरांग शाह ने कहा, इन नए प्रोजेक्ट पुरस्कारों के माध्यम से हमारे प्रति ग्राहकों के निरंतर विश्वास से हम अत्यंत खुश हैं। प्रत्येक ऑर्डर हमारी तकनीकी विशेषज्ञता और निष्पादन क्षमताओं में विश्वास को मजबूत करता है, साथ ही पावर और जल अवसंरचना दोनों क्षेत्रों में हमारी उपस्थिति को भी बढ़ाता है। विशेष रूप से जल जीवन मिशन परियोजना हमें एक सरकारी पहल में योगदान करने का अवसर देती है।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर ट्रैफिक कम्युनिकेशन में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति दी

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया से मिला कॉन्ट्रैक्ट एन्ड-टू-एन्ड आईटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस और भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही प्रमुख कंपनी सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस वीएचएफ एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स और सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन लागू कर रही है, जिससे एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावरों में संचार और सुरक्षा मजबूत हो रही है। हाल ही में कंपनी को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा वीएचएफ एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग के लिए, साथ ही 15 एयरपोर्ट्स में नेटवर्क ट्रैफिक को मॉनिटर और कंट्रोल करने के लिए सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन प्रदान करने का महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। यह प्रोजेक्ट एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावरों में बेहतर कम्युनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को उपलब्ध कराने और नेटवर्क में किसी भी घुसपैठ से सुरक्षा देने के लिए क्रियान्वित किया जाएगा। यह सफलता सिल्वर टच की मजबूत, मिशन-क्रिटिकल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करने की स्थापित क्षमताओं को उजागर करती है। सिक्योर नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन सिस्टम्स लागू करने में अपनी प्रतिष्ठा के साथ, कंपनी भारत के तेजी से विकसित हो रहे एविएशन इकोसिस्टम की एक महत्वपूर्ण सर्विस प्रोवाइडर बनी हुई है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, श्री मिनेश वी. दोशी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने कहा, हमें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के साथ देश के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में सहयोग करने पर गर्व है। यह प्रोजेक्ट मिशन-क्रिटिकल एनवायरनमेंट के लिए अत्याधुनिक, सुरक्षित और मजबूत तकनीकी समाधान प्रदान करने पर हमारे फोकस को दर्शाता है।

एनपीएस में बड़े बदलाव की उम्मीद

निवेश के 3 नए विकल्प मिलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन योजना में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण ने इसके लिए एक मसौदा जारी किया है, जिसमें सेवानिवृत्त लोगों को बेहतर और सुनिश्चित आय के लिए तीन नए निवेश विकल्प ला जाएंगे। एनपीएस सदस्य अपनी पसंद और जोखिम के अनुसार इनका चुनाव कर सकेंगे।

प्रस्तावित बदलाव राष्ट्रीय पेंशन योजना को अधिक लचीला और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अगर ये बदलाव होता है तो यह अबतक का एनपीएस के तहत सबसे बड़ा बदलाव होगा। पीएफआरडीए ने प्रस्तावित मसौदे पर सभी हितधारकों से से सुझाव मांगे हैं।

संबंधित एनपीएस सदस्य, निवेशकों और उससे जुड़े अन्य विशेषज्ञ 31 अक्टूबर 2025 तक लोग अपनी राय ऑनलाइन दे सकते हैं। यह सुधार पेंशनधारकों को सुरक्षा, पारदर्शिता और पहले से अनुमानित योग्य आय देने के लिए लाया गया है। अंतिम निर्णय सुझाव अवधि पूरी होने के बाद लिया जाएगा और फिर नई व्यवस्था को लागू किया जाएगा।

इसलिए किया जा रहा सुधारः विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान एनपीएस मॉडल में अधिकांश पेंशनभोगियों को यह स्पष्टता नहीं होती कि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद कितनी पेंशन मिलेगी। नई योजनाएं इसी अनिश्चितता को दूर करने के लिए बनाई जा रही हैं, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद आय नियमित और महंगाई से सुरक्षित बनी रहे। सरकार का मानना है कि पेंशन केवल बचत या निवेश का साधन न रहकर, एक स्थायी सुरक्षा कवच बननी चाहिए और ये तीन विकल्प उसी दिशा में एक ठोस कदम हैं।

ये तीन मॉडल उपलब्ध होंगे

1. **व्यवस्थित निकासी और नियमित पेंशन योजनाः** यह विकल्प मिश्रित मॉडल है, जिसमें व्यवस्थित निकासी योजना और पेंशन प्लान (एन्यूटी) दोनों शामिल होंगे। निवेशक अपनी जरूरत के हिसाब से पैसा निकाल सकते हैं।

ऐसे काम करेगाः इस योजना में कम से कम 20 साल का योगदान आवश्यक है। 45 वर्ष की आयु तक 50 प्रतिशत योगदान इक्विटी में निवेश होगा, इसके बाद धीरे-धीरे कम किया जाएगा। सेवानिवृत्ति पर व्यवस्थित निकासी योजना के माध्यम से कुल पेंशन फंड का 4.5 प्रतिशत मासिक पेंशन मिलेगी। हर साल 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। 70 साल की उम्र में एन्यूटी खरीदकर 20 साल तक निश्चित इनकम प्राप्त होगी।

2. **लक्ष्य और महंगाई आधारित योजनाः** दूसरा विकल्प उन सदस्यों के लिए है, जो चाहते हैं कि उन्हें निश्चित मासिक पेंशन मिले और महंगाई के अनुरूप बढ़ती रहे। यदि कोई चाहता है कि उसे 40,000 रुपये मासिक पेंशन मिले तो इस योजना में उसी लक्ष्य राशि को ध्यान में रखकर निवेश, ब्याज दर और जोखिम को संतुलित किया जाएगा।

एथर एनर्जी के संयंत्र से 5,00,000 वाँ स्कूटर बनकर बाहर निकला

बैंगलुरू। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड के होसुर, तमिल नाडु स्थित संयंत्र से एथर का 5,00,000 वाँ इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार होकर बाहर निकला है। एथर ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने फ्लैगशिप फैमिली स्कूटर, रिज़्टा के उत्पादन के साथ हासिल की है। रिज़्टा का लॉन्च पिछले साल किया गया था, जिसके बाद यह ब्रांड के विकास में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण योगदान देने वाला स्कूटर बन गया है।

इस उपलब्धि के बारे में एथर एनर्जी के को-फाउंडर एवं सीटीओ, स्वप्निल जैन ने कहा, ''500,000 स्कूटरों का उत्पादन पूरा कर लेना एथर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमने जब अपना पहला प्रोटोटाईप पेश किया था, तब से लेकर आज तक हमने न केवल इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाए हैं, बल्कि एक विस्तारयोग्य, विश्वसनीय और स्थिर विनिर्माण के परिवेश का निर्माण भी किया है। यह उपलब्धि सालों तक केंद्रित इंजीनियरिंग, कठोर प्रशिक्षण, और उत्पादन के हर चरण में बेहतरीन गुणवत्ता सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करती है। इससे कंपनी में हमारी टीमों का समर्पण और हमारे ग्राहकों का विश्वास व सहयोग भी प्रदर्शित होता है, जो हमारे इस सफर में हर कदम पर हमारे साथ खड़े रहे।'' एथर ने पिछले सालों में परफॉरमेंस और पोर्टफोलियो स्कूटर्स का एक मजबूत पोर्टफोलियो स्थापित कर लिया है। रिज़्टा के लॉन्च के एक साल में ही यह एथर के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान देने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर बन गया। आज एथर के कुल उत्पादन में इसका एक तिहाई से अधिक हिस्सा है, जो कंपनी के विस्तार में तेजी लेकर आ रहा है। एथर ने पिछले कुछ महीनों में मध्य और उत्तर भारत में अपना विस्तार किया है। कंपनी मेट्रो शहरों के अलावा टियर 2 और टियर 3 शहरों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। वर्तमान में एथर के दो विनिर्माण संयंत्र होसुर, तमिल नाडु में हैं। इनमें से एक संयंत्र में वाहन की असेंबली होती है और दूसरे संयंत्र में बैटरी का निर्माण किया जाता है।

मशहूर अदाकारा अनिता हसनंदानी बनीं ज़ी टीवी के शो 'छोरियाँ चली गाँव' की विनर

मुंबई, एजेंसी। दो महीने तक हंसी, जज़्बातों और ज़बर्दस्त जज़्बे से भरी भारत के गांव की सच्ची तस्वीर दिखाने के बाद, ज़ी टीवी के नए और अनोखे रियलिटी शो 'छोरियाँ चली गाँव' ने इस वीकेंड अपना शानदार ग्रैंड फिनाले देखा। ढोल-ताशों की गूंज और गांव की उत्साह भरी रंगत के बीच मशहूर अदाकारा अनिता हसनंदानी को विनर घोषित किया गया। अनिता ने ट्रॉफी उठाकर शो के पहले सीज़न को एक यादगार अंदाज़ में पूरा किया।रणविजय सिंघा द्वारा होस्ट किए गए इस सीज़न ने गांव की असली खूबसूरती और सादगी को बेहद दिलचस्प ढंग से पेश किया। शो में सेलेब्रिटीज़ को उनके हौसले और सब्र की कसौटी पर परखा गया। कभी गाय दुहनी पड़ी, कभी कुएं से पानी भरना, कभी चूल्हे पर खाना बनाना, तो कभी गांववालों से रिश्ते जोड़ना - इन सबके बीच अनिता ने अपनेपन और सादगी से न सिर्फ बाकी प्रतिभागियों बल्कि गांववालों और दर्शकों का भी दिल जीत लिया।

अभी से ही 85 प्रीमियम पर पहुंचा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दवा कंपनी रूबिकॉन रिसर्च का 1,377.50 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 अक्टूबर को खुलेगा। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, इसके लिए मूल्य दायरा 461 से 485 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ 13 अक्टूबर को संपन्न होगा।

बड़े (एंकर) निवेशक आठ अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 85 प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। रुबिकॉन रिसर्च का प्रस्तावित आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयर और 877.5 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी के शेयर के 16 अक्टूबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। कंपनी ने इस इश्यू में 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 15 प्रतिशत नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए और 10 प्रतिशत रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित रखा है। आईपीओ का लॉट साइज 30 शेयरों का तय किया गया है, जिसके अनुसार रिटेल निवेशकों को न्यूनतम 14,550 का निवेश करना होगा।

मोदी सरकार का नया सर्कुलर, अब केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेंगे इस अलाउंस के पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए काम की खबर है। सरकार ने नए सर्कुलर के जरिए स्पष्ट किया है कि जुलाई 2025 के वेतन में केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को उनके प्रोपरशनल ड्रेस अलाउंस का भुगतान किया जाएगा। इसमें नए भर्ती कर्मचारी और 30 जुलाई 2025 के बाद रिटायर होने वाले कर्मचारी शामिल हैं। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा कि अक्टूबर 2025 के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों से किसी भी अतिरिक्त भुगतान की राशि वसूली जाएगी। केंद्रीय सरकार ने अपने सर्कुलर दिनांक 24 सितंबर 2025 में कहा कि नए आदेश के अनुसार, जुलाई 2025 में ड्रेस अलाउंस का भुगतान पहले ही कर दिया गया है। इसमें कुछ अपवादों के साथ सभी पात्र कर्मचारियों को या तो पूर्ण दर से या उनके रिटायरमेंट के आधार पर आंशिक दर से भुगतान किया गया। सरकार ने कहा कि ड्रेस अलाउंस की दरें हर बार 50 प्रतिशत डीए वृद्धि पर 25 प्रतिशत बढ़ती हैं। इसके अलावा, ड्रेस अलाउंस की राशि हर साल जुलाई महीने में सीधे कर्मचारियों के वेतन में जमा की जाती है, और इस वर्ष यह राशि पहले ही क्रेडिट कर दी गई है। सर्कुलर में बताया गया कि वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 16.09.2025 को दिए गए निर्देश के अनुसार, मध्य वर्ष में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों को भी प्रोपरशनल ड्रेस अलाउंस दिया जाएगा, बिल्कुल नए कर्मचारियों के लिए निर्धारित प्रोपरशनल भुगतान के समान।

नई ऊंचाई पर पहुंचा शेयर का दाम

रेखा झुनझुनवाला ने खरीदे इस बैंक के और शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। केनरा बैंक के शेयर 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। सरकारी बैंक के शेयर सोमवार को बीएसई में उछाल के साथ 127.65 रुपये पर जा पहुंचे हैं। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला ने सितंबर 2025 तिमाही में केनरा बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। झुनझुनवाला ने इस सरकारी बैंक के और शेयर खरीदे हैं। जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में केनरा बैंक में रेखा झुनझुनवाला की हिस्सेदारी बढ़कर 1.57 पर्सेंट पहुंच गई है। जून 2025 तिमाही में दिग्गज निवेशक की केनरा बैंक में 1.46 पर्सेंट हिस्सेदारी थी।

दिग्गज इनवेस्टर रेखा झुनझुनवाला के पास केनरा बैंक के 14,24,43,000 शेयर हैं। इस सरकारी बैंक में झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 1.57 पर्सेंट है। जून 2025 तिमाही में रेखा झुनझुनवाला के पास केनरा बैंक के 13.24 करोड़ शेयर थे। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का भी केनरा बैंक पर बड़ा दांव है। एलआईसी के पास केनरा बैंक के 47,01,07,468 शेयर हैं। बैंक में बीमा कंपनी की हिस्सेदारी 5.18 पर्सेंट है। बैंक में शेयरहोल्डिंग का यह डेटा सितंबर 2025 तिमाही तक का है। केनरा बैंक के शेयर पिछले पांच साल में 587 पर्सेंट चढ़ गए हैं। बैंक के शेयर 9 अक्टूबर 2020 को 18.49 रुपये पर थे। केनरा बैंक के शेयर 6 अक्टूबर 2025 को 127.65 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

हर्बालाइफ इंडिया ने लिफ्टऑफ लॉन्च किया: बिना चीनी युक्त इफ़र्वेसेंट ड्रिंक

मुंबई, एजेंसी। प्रमुख स्वास्थ्य एवं स्वस्थता (वेलनेस) कंपनी, समुदाय और मंच, हर्बालाइफ इंडिया, ने लिफ़्टऑफ़ पेश करने की घोषणा की है। यह एक ताजगी देने वाला पेय है। इसमें कैफीन और गैस होती है जो आपको अपनी बुलबुले वाली फ़िज़ी ताज़गी से ऊर्जावान* और चुस्त-दुरुस्त महसूस करने में मदद करता है। तरबूज के स्वाद और बिना किसी अतिरिक्त चीनी के उपलब्ध, लिफ़्टऑफ़ को सक्रिय और संतुलित जीवनशैली चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक विकल्प के रूप में तैयार किया गया है।

समय में हुआ है जब भारतीय उपभोक्ता सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले ऑन-द-गो पोषण उत्पादों की तलाश में पहले से ज्यादा कर रहे हैं। इस पेशकश के साथ, हर्बालाइफ़ भारत के न्यूट्रास्युटिकल पेय पदार्थों के बाज़ार में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हर्बालाइफ इंडिया के प्रबंध निदेशक, अजय खन्ना ने कहा, यह लॉन्च उपभोक्ताओं के लिए अभिनव पोषण समाधानों तक पहुँच बढ़ाने के लिये चलती रहने वाली हमारी प्रतिबद्धता के क्रम में है। हमारा प्रयास हमेशा से बदलती जीवनशैली की ज़रूरतों को पूरा करना और ऐसे उत्पाद प्रदान करना रहा है जो लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं। लिफ़्टऑफ़ एक विज्ञान-समर्थित फ़ॉर्मूलेशन है जो ऊर्जावान* और सतर्क महसूस करने का एक सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है। यह हर्बालाइफ के पोषण-आधारित उत्पादों के पोर्टफोलियो का एक हिस्सा है जो आज के भारतीय उपभोक्ताओं के साथ पूरी तरह मेल खाता है। लिफ़्टऑफ़ में कैफीन, अल्पीनिया गैलंगा एक्सट्रैक्ट और विटामिन होते हैं, जो हर्बालाइफ के सक्रिय, आधुनिक जीवन शैली के लिए विज्ञान-समर्थित पोषण पर फोकस को रेखांकित करते हैं। प्रत्येक सर्विंग में 80 मिलीग्राम कैफीन होता है। कैफीन आपको ऊर्जावान महसूस करने, सतर्क और केंद्रित रहने में मदद करता है, स्वाभाविक रूप से थर्मोजेनिक होता है और अस्थायी रूप से भोजन के उपयोग की प्रक्रिया को बेहतर करने में मदद करता है। इसमें 300 मिलीग्राम चिकित्सकीय रूप से परीक्षित अल्पीनिया गैलंगा अर्क (एक्सट्रैक्ट) भी होता है, जो सतर्कता और शांति (व्यक्तिपरक आकलन) की भावनाओं को बेहतर बनाने में मदद करता है। साथ ही विटामिन सी और बी विटामिन (बी1, बी2, बी3, बी5, बी6, बी7, बी12) भी होते हैं जो सामान्य ऊर्जा देने वाले भोजन के उपयोग की प्रक्रिया में योगदान करते हैं, थकान और कमजोरी को कम करने में मदद करते हैं।

उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स को केयर एज क्रेडिट रेटिंग

मुंबई, एजेंसी। उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड (उत्सव, कंपनी), जो कि 18 कैरेट, 20 कैरेट और 22 कैरेट के सीज़ेड गोल्ड ज्वेलरी, 22 कैरेट की प्लेन कास्टिंग ज्वेलरी, 22 कैरेट की पेपर कास्टिंग ज्वेलरी, प्राकृतिक हीरे की ज्वेलरी और 18 कैरेट की लैब-ग्रो हीरे की ज्वेलरी के प्रमुख निर्माताओं में से एक है, को केयर एज रेटिंग्स द्वारा इसके बैंक सुविधाओं के लिए क्रेडिट रेटिंग्स प्रदान की गई हैं। ये रेटिंग्स कंपनी की मजबूत बुनियादी संरचना को दर्शाती हैं और इसकी वित्तीय अनुशासन व व्यावसायिक स्थिरता को उजागर करती हैं। केयर एज रेटिंग्स ने इस मूल्यांकन में प्रोमोटर के स्वर्ण आभूषण उद्योग में व्यापक अनुभव, कंपनी की मजबूत पूंजी संरचना जिसमें स्वस्थ ऋण कवरेज संकेतक शामिल हैं, संचालन के बढ़ते स्तर के साथ मध्यम लाभप्रदता, और उपयुक्त तरलता प्रोफाइल को ध्यान में रखा है। ये रेटिंग्स कंपनी की सतत विकास क्षमता की पुनः पुष्टि करती हैं और बाजार में उसकी स्थिति को लेकर हितधारकों के विश्वास को और भी मजबूत बनाती हैं। इससे पहले, कंपनी की क्रेडिट रेटिंग्स इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स द्वारा प्रदान की गई थीं। अब ये रेटिंग्स वापस ले ली गई हैं, क्योंकि उत्सव ने आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र (अनापत्ति प्रमाणपत्र) प्रदान किया था, जिसे इसके बैंकरों ने विधिवत स्वीकार किया और उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री पंकजकुमार जगावत ने कहा-हमें केयर एज रेटिंग्स द्वारा प्रदान की गई रेटिंग्स पर खुशी है, जो हमारी मजबूत बुनियादी संरचना और अनुशासित वित्तीय प्रबंधन को दर्शाती हैं।

सैमसंग फैब ग्रैब फेस्ट इस त्योहारी सीजन में सबसे बड़े ऑफर्स के साथलेकर आया एआई का जादू

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग नेइस त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को आज से शुरू हो रहे अपने सबसे बड़े शॉपिंग इवेंटफैब ग्रैब फेस्टमें आकर्षक कीमतों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शक्ति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया है।

सैमसंग के एआई-पावर्डटीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, स्मार्टफोन, मॉनिटर, साउंड डिवाइसऔर अन्य उत्पादों के व्यापक पोर्टफोलियो पर विशेष फेस्टिव ऑफर्स के साथ, फैब ग्रैब फेस्ट उपभोक्ताओं के लिए सैमसंग के इंटेलिजेंट इकोसिस्टम में अपग्रेड करने का सबसे बेहतरीन अवसर है, जो रोजमर्रा के जीवन को बदल देता है। विशेष रूप से, एसी, टीवी और मॉनिटरपर जीएसटी में कटौती के बाद नई कम कीमतें भी अब लागू हो गई हैं।

रियायती कीमतों पर सैमसंग के एआई-पावर्ड इकोसिस्टम के साथ स्मार्ट लिविंग का आनंद उठाएः इस त्योहारी सीजन में, सैमसंग अपने एआई-पावर्ड उत्पादों के साथ हर घर में स्मार्ट लिविंग ला रहा है।गैलेक्सी एआई वाले स्मार्टफोन रीयल-टाइम अनुवाद, स्मार्ट फोटो एडिटिंग और काम को आसान बनाने वाले उपकरण प्रदान करते हैं। एआई-सक्षम टीवी सामग्री को बेहतर बनाते हैं और रेफ्रिजरेटर व वॉशिंग मशीन जैसे उपकरण आपके उपयोग को समझकर अधिक कुशलता से काम करते हैं। सैमसंग एआई को सभी के लिए सुलभ और उपयोगी बना रहा है। चाहे फोन, टीवी, रेफ्रिजरेटर या वॉशिंग मशीन हो, हर डिवाइस रोजमर्रा के काम को आसान, व्यक्तिगत और कनेक्टेड बनाती है। फैब ग्रैब फेस्ट में भारी छूट, कैशबैक ऑफर्स और अपग्रेड प्रोग्राम के साथ, अब सैमसंग की नई पीढ़ी की एआई तकनीक को घर लाने का सबसे अच्छा समय है।

OFFICE OF THE ASSISTANT ENGINEER (DEV) NALAGARTH , DISTT. SOLAN (H.P)

No: Dated: 04/10/2025

E-Procurement Notice
INVITATION For BIDS (IFB)

The Assistant Engineer Zila parishad Dev Block Nalagarh , Distt. Solan H.P. on behalf of Block Development Officer Kunihar H.P. invites the online bids on item rate, in electronic tendering system, in 2 cover systems for the under mentioned work from the eligible and approved contractors /Firms registered with any Department/Government undertaking as per his/her class of enlistment should be allowed.

Sr. No.	Description	Tender Download Start Date	Tender Download End Date	Tender Opening Date
1.	Publication of E- Tender, Tender Start Download Tender Document & Online Bid Sub mission (2No. Works)	06:10:2025 at 10:00 AM	13:10:2025 till 05:00 PM	14:10:2025 at 11:00 AM

General Instructions:-
1. Detailed notice inviting Tender Document & other related documents, terms and conditions can be downloaded from the website of Himachal Government: - https: // hptenders.gov.in or can be seen at any working day in the office of Assistant Engineer (Zila Parishad) Nalagarh working hours.

Assistant Engineer zila Parishad
Development Block Nalagarh

R.No. 3533/2025-2025

पहले करवा चौथ पर क्या है शादी का जोड़ा पहनने का महत्व ?

लोक मान्यता है कि पहले करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाओं को शादी का जोड़ा पहनना चाहिए क्योंकि ऐसा माना जाता है कि शादी का जोड़ा विवाह के समय बहुत पवित्र हो जाता है।

करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं पति की लम्बी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और करवा माता एवं चंद्रमा की पूजा करती हैं। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं लाल रंग के कपड़े पहनती हैं। विशेष रूप अगर पहला करवा चौथ है तो शादी के जोड़े को दोबारा इस दिन पहनने का विधान है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर क्यों पहले करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं पहनती हैं शादी का जोड़ा और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

पहले करवा चौथ पर क्यों पहना जाता है शादी का जोड़ा?

लोक मान्यता है कि पहले करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाओं को शादी का जोड़ा पहनना चाहिए क्योंकि ऐसा माना जाता है कि शादी का जोड़ा विवाह के समय बहुत पवित्र हो जाता है। फेरों के दौरान जब शादी के जोड़े को पहने लड़की अग्नि के चक्कर लगाती है तब उस अग्नि के प्रभाव से वह जोड़ा शुद्ध हो जाता है। वहीं, जब इस पवित्र जोड़े को शादी के बाद पहले करवा चौथ पर दोबारा पहना जाता है, तब इसकी शुद्धता से पूजा में पवित्रता और बढ़ जाती है। साथ ही, वैवाहिक जीवन में इसका शुभ प्रभाव देखने को मिलता है। वैवाहिक जीवन में मधुरता आने लगती है। दांपत्य जीवन का क्लेश दूर होता है और रिश्ता मजबूत बनता है। इसके अलावा, करवा चौथ के दिन शादी का जोड़ा पहनने से पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है। हालांकि शादी का जोड़ा पहनते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह गंदा न हो या कहीं से भी फटा-कटा न हो नहीं तो इससे पूजा में दोष लगता है और वैवाहिक जीवन में परेशानियां आनी शुरू हो जाती हैं। क्लेश बढ़ने लगता है।

करवा चौथ पर इंडो वेस्टर्न आउटफिट के साथ पहनें ये ज्वेलरी

सुंदर दिखना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन लुक तभी अच्छा लगता है, जब आप अलग-अलग तरह के लुक को रीक्रिएट करते हैं। इस बार आप इंडो वेस्टर्न आउटफिट को स्टाइल करें। इससे आपके लुक में कुछ डिफरेंट डिजाइन ऐड होगा। इसे और अट्रैक्टिव बनाने के लिए साथ मे ज्वेलरी वियर करें। मार्केट में कई सारी फैंसी डिजाइन वाली ज्वेलरी मिलती है। इसे स्टाइल करके आप अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

हैवी चोकर नेकलेस सेट

अगर आप ऑफ शोल्डर ड्रेस को स्टाइल कर रही हैं, तो इसके साथ आप हैवी चोकर सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के चोकर सेट में आपको मल्टी लेयर और कलर दोनों मिल जाएंगे। इसलिए इसे किसी भी आउटफिट के साथ पहना जा सकता है। मार्केट में इस तरह के सेट आपको आसानी से मिल जाएंगे। जिसे आप 200 से 300 रुपये में खरीद सकती हैं। बस आपको अपनी गर्दन का ध्यान रखना है और एक बार ट्राई जरूर करना है। इससे आप सेट के डिजाइन को सही तरीके से देख पाएंगी।

इयरकफ करें स्टाइल

बड़े-बड़े इयररिंग्स या झुमकी की जगह पर आप इयरकफ को स्टाइल करें। इस तरह के इयरकफ पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको काफी सारे अलग-अलग डिजाइन मिल जाएंगे। जिसे आप अपनी ड्रेस से मैच करके वियर करें। आप चाहें तो सिंपल डिजाइन वाले खरीदकर भी वियर कर सकती हैं, ताकि इसे दोबारा किसी और ड्रेस के सात मैच किया जा सके। आपके इस तरह के इयररिंग्स पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, ये आपको मार्केट में 100 से 200 रुपये में मिल जाएंगे।

बैंगल्स को करें वियर

आउटफिट के साथ सेट और इयररिंग्स हर कोई पहनता है, लेकिन आप हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए बैंगल्स को भी स्टाइल करें। आजकल कांच के साथ-साथ मेटल और ऑक्सीडाइज्ड डिजाइन में बैंगल्स मिल जाएगी, जो वियर करके अच्छी लगेगी। इसमें आप चाहें तो पूरा सिंगल सेट भी ले सकती हैं। मार्केट में ये आपको 200 से 300 रुपये में मिल जाएगा। जब आप इसे आउटफिट के साथ वियर करेगी, तो हाथ सुंदर लगेंगे।

छोटे नाखूनों के लिए परफेक्ट हैं नेल आर्ट के ये डिजाइंस, जानें इन्हें करने का आसान तरीका

नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए उनकी सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आप घर पर ही मैनीक्योर और पेडीक्योर कर सकती हैं।

हम सभी चाहते हैं कि हमारे नाखून खूबसूरत नजर आए और इसके लिए हम आए दिन बाजार से नए-नए नेल आर्ट करवाना पसंद करते हैं। नेल आर्ट के कई डिजाइंस आपको ऑनलाइन देखने को भी मिल जाएंगे, लेकिन जरूरी नहीं है कि वे डिजाइन आपके नाखूनों पर खूबसूरत नजर आए। वहीं नेल शेप के अनुसार भी डिजाइन को चुनना बेहद जरूरी होता है। खासकर छोटे नाखूनों के लिए नेल आर्ट के डिजाइन को चुनने में दिक्कत होती है। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं छोटे आकार के नाखूनों के लिए नेल आर्ट के ये लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन नेल आर्ट के डिजाइन को बनाने का आसान तरीका-

स्टोन नेल आर्ट डिजाइन

स्टोन में आपको कई तरह के डिजाइन और कलर ऑप्शन देखने को मिल जाएंगे। मिनिमल और सिंपल लुक के लिए आप किसी भी कलर का नेल पेंट लगाकर इस पर ग्लिटर ग्लू की मदद से स्टोंस को चिपका सकती हैं। स्टोन के साइज के लिए आप छोटे आकार को चुनें। ऐसा इसलिए क्योंकि छोटे नाखूनों पर बड़े साइज के स्टोन अच्छे नहीं लगते हैं।

लाइन डिजाइन नेल आर्ट

लाइन डिजाइन में आजकल हैवी लुक के लिए ग्लिटर वर्क लाइन वाले नेल आर्ट बेस्ट नजर आते हैं। इस तरह के नेल आर्ट बनाने के लिए आपको मार्केट में ग्लिटर नेल पेंस आसानी से मिल जाएंगे। अलग-अलग कलर के ग्लिटर नेल पेंस की मदद से आप मनचाहा डिजाइन नाखूनों पर बना सकती हैं।

मल्टी-कलर नेल आर्ट डिजाइन

कलरफुल नेल्स पसंद करती हैं तो इस तरह के रंग-बिरंगे कलर्स के केवल डॉट-डॉट कर नाखूनों के टिप पर डिजाइन बना सकती हैं। इस तरह का डिजाइन बनाने के लिए आप टूथपिक की मदद ले सकती हैं। टूथपिक को सबसे नेल पोलिश में डूबोकर इस तरह से कलर को नाखून पर लगा सकती हैं।

फ्लोरल नेल आर्ट डिजाइन

फ्लोरल डिजाइन में आपको कई तरह के नेल आर्ट के डिजाइंस को देखने को मिल जाएंगे। आप चाहे तो सभी नाखूनों पर इस तरह से अलग कलर का इस्तेमाल करके नेल आर्ट कर सकती हैं या चाहे तो इस तरह के अलग से स्टीकर खरीदकर चिपका सकती हैं। इसमें सबसे ज्यादा पेस्टल कलर कॉम्बिनेशन को पसंद किया जाता है।

करवाचौथ के दिन पैरों में पहननी हैं पायल और बिछिया तो पहले से ही करें घर पर पेडीक्योर, जानें सही तरीका

हम सभी चाहते हैं कि हमारे पैर खूबसूरत नजर आए और इसके लिए हम आए दिन पार्लर में जाकर पेडीक्योर भी करवाते हैं। बदलते मौसम में त्वचा भी भी बदलने लगती है। ऐसे में बार-बार पार्लर में जाकर पैसे खर्च करना हम बिल्कुल भी नहीं चाहते हैं। वहीं क्या आप जानती हैं कि आप बिना पैसे खर्च किए भी पेडीक्योर कर सकती हैं। तो आइये आज हम आपको बताने वाले हैं कैसे ब्लीच एक्टिवेटर की मदद से आप पैरों को साफ कर सकती हैं। साथ ही, बताएंगे पेडीक्योर करने का आसान तरीका-

कैसे करें घर पर पेडीक्योर?

- सबसे पहले अपने पैरों को पानी से धो लें और तौलिए की मदद से सुखा लें। इसके बाद एक टब में गुनगुने पानी में लगभग 5 मिनट तक पैरों को भिगोकर रखें।
- इसके बाद आप एक बाउल में ब्लीच के साथ में मिला और एक्स्ट्रा बचा हुआ एक्टिवेटर डालें और जरूरत अनुसार पानी मिलकर पेस्ट तैयार कर लें।
- ध्यान रहे कि सेंसिटिव स्किन पर ब्लीच एक्टिवेटर या किसी भी अन्य चीज का इस्तेमाल करने से बचें और एक्सपर्ट की सलाह लिए बिना कुछ भी त्वचा पर न लगायें।
- इसके बाद पेस्ट को पैरों में अच्छी तरह से लगा लें। पमिस स्टोन की मदद से पैरों पर हल्के हाथों से मसाज करें ताकि टैनिंग और पैरों में मौजूद गंदगी अच्छी तरह से निकल जाए।
- लगभग 10 से 15 मिनट इस पेस्ट को पैरों में लगा रहने दें। टब में मौजूद गुनगुने पानी की मदद से पैरों को साफ कर लें।
- तौलिए की मदद से पैरों को साफ करें और बॉडी मॉइस्चराइजर की मदद से त्वचा को ड्राई होने से बचाएं।
- इस तरह आप हफ्ते में 1 से 2 बार तक ब्लीच के साथ मिले एक्स्ट्रा एक्टिवेटर की मदद लेकर पैरों को साफ कर सकती हैं।
- बता दें कि यह स्किन व्हाइटनिंग ट्रीटमेंटका काम भी करता है।

करवा चौथ पर चाँद की तरह चमकेगी आप

अगर आप करवा चौथ पर भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं तो आप इन पेस्टल कलर की साड़ी का चुनाव कर सकती हैं और इस तरह की साड़ी न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। साड़ी जहां ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है तो वहीं इसमें आप स्टाइलिश भी नजर आती हैं। साड़ी कई सारे खास मौकों पर पहन सकते हैं और अब करवा चौथ का त्योहार आ रहा है। इस खास मौके पर ज्यादातर महिलाएं साड़ी वियर करना पसंद करती हैं और अगर आप साड़ी पहनने का सोच रही हैं तो, आप पेस्टल कलर की साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। अगर आप इन साड़ी को करवा चौथ के मौके पर स्टाइल करती हैं तो आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा।

प्रिंटेड साटन साड़ी

इस तरह की पेस्टल कलर की प्रिंटेड साटन साड़ी आप करवा चौथ पर स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी साटन फैब्रिक में है और इस तरह की साड़ी में आपका सबसे अलग नजर आएगा। इस साड़ी को 2,000 रूपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस साड़ी के साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी साथ हो फुटवियर में आप जूती स्टाइल कर सकती हैं।

सिल्वर स्टोन वर्क टिशू साड़ी

यह सिल्वर स्टोनवर्क टिशू साड़ी भी पस्टेल कलर में है और इस तरह की तरह की साड़ी में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। पस्टेल कलर की इस टिशू साड़ी में बेहद ही खूबसूरत स्टोनवर्क किया हुआ है। इस साड़ी में आपका लुक रॉयल नजर आएगा और इस साड़ी को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 1,500 से 3,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस साड़ी को आप स्ट्रेप वाले ब्लाउज के साथ स्टाइल कर सकती हैं साथ ही ज्वेलरी में आप चोकर स्टाइल कर सकती हैं।

पेस्टल कॉटन साड़ी

इस तरह की पेस्टल कॉटन साड़ी भी आप कई सारे खास मौकों पर पहन सकती हैं। इस तरह की साड़ी में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी। इस तरह की साड़ी आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं। यह साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।

करवाचौथ के दिन पहनें ये खूबसूरत लाल-हरी झुमकियां

स्टाइलिश दिखने के लिए आए दिन हम वार्डरोब से लेकर अपने लुक में कई तरह के बदलाव करते हैं। ट्रेडिशनल लुक में जान डालने के लिए स्टाइलिंग का रोल अहम होता है। सूट और साड़ी के साथ में सबसे ज्यादा इयररिंग्स पहनना हम बहुत पसंद करते हैं।

करवाचौथ आने वाला है और इस मौके पर हम अपने लुक में जान डालने के लिए कानों में हैवी झुमकी को स्टाइल करते हैं। तो आइये देखते हैं हरे-लाल रंग की झुमकियों के नए डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन झुमकी लुक में जान डालने के आसान टिप्स-

बाली स्टाइल झुमकी डिजाइन

अपने लुक में सलवार-सूट पहन रही हैं तो खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए पंजाबी

स्टाइल बाली इयररिंग्स को कानों में पहन सकती हैं। इसमें आपको झुमकी में अलग-अलग साइज और डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। सबसे ज्यादा इसमें मीनाकारी वर्क और स्टोन में बारीक वाले डिजाइंस को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

इयरकफ स्टाइल झुमकी डिजाइन

कानों को इयररिंग्स से कवर करना चाहती हैं तो इस तरह के हैवी डिजाइन वाले लाल और हरे कलर के कॉम्बिनेशन की झुमकियों को कानों में पहन सकती हैं। इसमें आपको गोल्डन और सिल्वर में सबसे ज्यादा डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इन दोनों कलर कॉम्बिनेशन को आप आसानी से किसी भी तरह के फैंसी लुक के लिए ट्राई कर सकती हैं।

जसप्रीत बुमराह ओवल में खेलते तो खत्म हो जाता करियर, मोहम्मद सिराज का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह को साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में दिक्कत हो गई थी। इसके कारण वह कुछ समय तक मैदान से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए। आईपीएल 2025 में 12 मैच खेले। इंग्लैंड दौरे पर केवल 3 टेस्ट खेले। एशिया कप में भारत की विजयी अभियान का हिस्सा रहे। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल 3 मैच खेले थे। बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर काफी बहस हुई थी। खासकर तब जब ओवल में आखिरी टेस्ट से पहले भारत 1-2 से पीछे चल रहा था। बुमराह इस मैच में न खेलने के अलावा स्क्वाड से रिलीज हो गए थे। इसके बाद बुमराह की काफी आलोचना हुई और कहा गया वह कौन मैच खेलेंगे और कौन सा नहीं खेलेंगे यह चुनने की उन्हें छूट नहीं दी जानी चाहिए।

चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेल पाए थे जसप्रीत बुमराह

जसप्रीत बुमराह को साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में दिक्कत हो गई थी। इसके कारण वह कुछ समय तक मैदान से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में शुरुआत कुछ मुकाबले में नहीं खेलने के बाद मुंबई इंडियंस को 12 मुकाबलों में जसप्रीत बुमराह की सेवाएं मिलीं। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर वह केवल 3 टेस्ट खेले। फिर एशिया कप में भारत की विजयी अभियान का हिस्सा रहे।

सिराज ने क्या कहाड

बुमराह भाई बाहरी राय की परवाह नहीं करते। उनकी पीठ में गंभीर चोट थी और एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। अगर उन्होंने उस मैच में गेंदबाजी की होती और चोट उभर जाती तो क्या पता वह फिर कभी दोबारा गेंदबाजी कर पाते या नहीं। यह इतनी गंभीर है। वह चोट बहुत गंभीर है।
उनका गेंदबाजी एक्शन बहुत मुश्किल है। वह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण गेंदबाज हैं और एशिया कप से लेकर अगले साल होने वाले विश्व कप तक उनकी उपलब्धता बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय प्रशंसकों को यह समझना चाहिए कि वह टीम की रीढ़ हैं और निश्चिंत रहें कि जब भी संभव होगा वह जरूर खेलेंगे। जस्सी भाई ने एकदम सही फैसला लिया।

महिला विश्व कप

पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोडा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें। उन्होंने कहा,

सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थो़ा-थोडा बेहतर हो सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खडा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया। गौड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजो को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोडे, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिडेगा।

भारतीय महिला टीम की शानदार जीत के बाद इरफान पठान ने उड़ाया पाकिस्तान का मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार रखा और हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने रविवार को महिला वनडे विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 88 रनों से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान का मजाब उड़ाया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रनों का स्कोर बनाया, जिसमें हरलीन देओल ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। बाद में भारत ने पाकिस्तान को 159 रनों पर ढेर कर दिया जिसमें क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने तीन-तीन विकेट लिए। इस शानदार जीत के बाद पठान ने ङ्ग (पहले ट्विटर) पर किसी का नाम लिए बिना लिखा, बस एक

और रविवार, खाओ, सोओ, जीतो, दोहराओ, टीम इंडिया। गौर हो कि हाल ही में संपन्न एशिया कप में भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान को तीन बार हराया था। पहला ग्रुप स्टेज मैच 14 सितंबर को खेला गया, उसके बाद 21 सितंबर को सुपर फोर और फिर 28 सितंबर को फाइनल मैच में मात दी। महिला टीम की जीत के साथ भारत ने एक महीने के भीतर पाकिस्तान पर 4 बार जीत दर्ज की। हालांकि अकेले महिला टीम की बात करें तो इस जीत के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 12-0 का रिकॉर्ड कर दिया है। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, बहुत खुशी की बात है, हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण मैच और मुझे यकीन है कि घर पर भी सभी खुश होंगे। सच कहूं तो, इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। हम बस ज़्यादा देर तक बल्लेबाजी करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि हम कितने रन बना सकते हैं। जब हम मई में त्रिकोणीय सीरीज में यहां खेले थे, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच पर थोड़ी पकड़ थी। सबसे जरूरी था कि हम अंत तक विकेट बचाकर रखें ताकि हम अच्छा प्रदर्शन कर सकें। टीम इंडिया अब गुरुवार को विशाखापत्तनम में अपने अगले महिला वनडे विश्व कप मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रदर्शन

- 22 पदक, 30 से ज्यादा पर्सनल बेस्ट, 9 स्पर्धाओं में चौथा स्थान, 7 एशियाई और 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की पदक तालिका में मेजबान भारत भले ही 10वें नंबर पर रहा, लेकिन उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने 22 मेडल झटके। भारत के 6 एथलीटों ने स्वर्ण, 9 ने रजत और 7 ने कांस्य पदक झटका। भारत के 30 से ज्यादा एथलीटों ने अपना पर्सनल बेस्ट (सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन) परफॉर्मेंस दिया। 9 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। 7 खिलाड़ियों ने एशिया का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 3 एथलीटों ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप रविवार (5 अक्टूबर) को संपन्न हुआ। मेजबान भारत कुल 22 पदकों के साथ पदक तालिका में दसवें स्थान पर रहा।

आखिरी दिन चार पदक जीतने के बावजूद तालिका में स्थान के लिहाज से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं रहा। भारत का तालिका के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में कोबे में रहा था।

वह कुल 17 पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

आखिरी दिन इन देशों से पिछड़ा भारत

आखिरी दिन से पहले कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड, इटली, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड के साथ भारत संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर था, जिनके पास छह-छह स्वर्ण पदक थे।

हालांकि, शीर्ष पांच में जगह बनाने की होड़ में ईरान ने तीन स्वर्ण पदक जीते और तीसरे स्थान पर रहा। नीदरलैंड और पोलैंड ने क्रमशः दो और तीन स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष पांच में जगह बनाई, जबकि कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन और इटली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दसवें स्थान पर धकेल दिया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए पदक विजेता

स्वर्ण

सिमरन शर्मा - महिला 100 मीटर टी12।
शैलेश कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी63।
रिंकू हुड्डा - पुरुष भाला फेंक एफ46।
सुमित अंतिल -पुरुष भाला फेंक एफ64।
संदीप सर्गर - पुरुष भाला फेंक एफ44।
निषाद कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी47।

रजत पदक

सिमरन शर्मा- महिला 200 मीटर टी12।
प्रीति पाल- महिला 200 मीटर टी35।
एकता भयान- महिला क्लब थ्रो एफ51।
दीप्ति जीवनजी- महिला 400 मीटर टी20।
नवदीप सिंह- पुरुष भाला फेंक एफ41।
धरमबीर नैन- पुरुष क्लब थ्रो एफ51।
संदीप- पुरुष भाला फेंक एफ44।
योगेश कथुनिया- पुरुष डिस्कस थ्रो एफ56।● सुंदर सिंह गुर्जर- पुरुष भाला फेंक एफ46।

कांस्य पदक

संदीप - पुरुष 200 मीटर टी44
सोमन राणा - पुरुष गोला फेंक एफ57
प्रवीण कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी64
प्रीति पाल - महिला 200 मीटर टी35
प्रदीप कुमार -पुरुष चक्का फेंक एफ44
अतुल कौशिक - पुरुष चक्का फेंक एफ57
वरुण सिंह भाटी - पुरुष ऊंची कूद टी63

तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड

भारत ने इस चैंपियनशिप में तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एफ64 वर्ग में 71.37 मीटर भाला फेंककर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता शैलेश कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी42 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार विश्व चैंपियन बने रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला एफ46 स्पर्धा में 66.37 मीटर की दूरी तय करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। भारतीय पैरा एथलीटों ने इस आयोजन में 30 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किए।

फुटबॉल

लेवानदॉस्की की चूक से बार्सिलोना को मिली हार, पुलिसिच की गलती से रुका मिलान का जीत का सिलसिला

लंदन, एजेंसी। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रविवार का दिन बार्सिलोना के लिए निराशाजनक रहा। टीम को सेविला के खिलाफ 1-4 की करारी हार झेलनी पड़ी, जो उसकी लगातार दूसरी हार है। इससे पहले बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मन (क्क्तस्त्र) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में रॉबर्ट लेवानदॉस्की के पास पेनल्टी के जरिए गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन वह गोल पोस्ट को भेद नहीं सके। उनके शॉट को सेविला के गोलकीपर ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया, जिससे टीम के वापसी के मौके लगभग खत्म हो गए। मैच के दौरान टीम के युवा स्टार लेमिन यमाल चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए, जिससे जावी की टीम के लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। इस हार के साथ बार्सिलोना अंक तालिका में पिछड़ गई है, जबकि रियल मैड्रिड ने शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियल मैड्रिड ने शनिवार को विलारीयाल को 3-1 से हराकर दो अंकों की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना, जो इस मैच से पहले तक अजेय थी, अब अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले अपनी रणनीति पर गंभीर समीक्षा करेगी।

पुलिसिच की पेनल्टी मिस से रुक गया मिलान का जीत का सिलसिला- इटली की सिरी ए लीग में भी रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब एसी मिलान को यूवेंटस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ पर रुकना पड़ा। इस मैच में स्टार अमेरिकी खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिच ने पेनल्टी का मौका गंवा दिया। पुलिसिच, जिन्होंने इस सीजन में मिलान के लिए छह गोल दागे और दो असिस्ट किए हैं, ने मैच के अहम क्षण में गोल करने का मौका खो दिया। उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से चला गया और टीम को जीत से वंचित कर दिया। यह पुलिसिच के पेशेवर करियर का केवल दूसरा मौका था जब वे पेनल्टी को गोल में नहीं बदल सके।

- **अंक तालिका में फिसली मिलान, नेपोली और रोमा ने जीते मुकाबले-** इस ड्रॉ के साथ एसी मिलान की लगातार पांच जीतों की लड़ी टूट गई है। टीम अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है और नेपोली व रोमा से दो अंक पीछे है, जिन्होंने अपने मुकाबले जीतकर शीर्ष की दौड़ में जगह बनाए रखी है। नेपोली ने एक गोल से पिछड़ने के बाद जिनोआ को 2-1 से हराया, जबकि रोमा ने भी फायोरेंटिना को 2-1 से मात दी।

वनडे में 477 रन से जीती टीम, इस खिलाडी ने 97 गेंदों में 217 रन बनाकर उडाया गर्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बडा स्कोर 498 रन का है, लेकिन करीब इसके बराबर के अंतर से तो एक टीम 50 ओवरों का क्रिकेट मैच जीत गई. जानिए ये मैच कहां हुआ और जो टीम जीती तो उसने रन कितने ज्यादा बनाए थे.

वनडे इंटरनेशनल में जितना एक टीम का स्कोर नहीं बनता, उससे ज्यादा के अंतर से टीम ने मैच जीता. हालांकि ये अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में नहीं हुआ, लेकिन जिस मैच की बात कर रहे हैं उसमे बल्लेबाज ने शॉट मार-माकर गेंदबाजों का बुरा हाल कर दिया. एक ही बल्लेबाज ने 217 रनों की पारी खेली. ये हाई स्कोरिंग मुकाबला 50 ओवरों वाले मलेशियन मेंस अंडर 19 इंटर स्टेट चैंपियनशिप में देखने को मिला. ये मैच पुत्राजया 19 बनाम सालेनगोर 19 था.

सालेनगोर 19 ने कितने रन बनाएड

आपके मन में सवाल होगा कि कितने रन सालेनगोर ने बनाए जो वो 477 रनों से जीती. बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए सालेनगोर कि टीम ने 500 से ज्यादा रन बनाए, टीम ने 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 564 रन बनाए. इतने बडे स्कोर में मुहम्मद अकरम नाम के बल्लेबाज की बडी भूमिका रही, जिन्होंने दोहरा शतक ठोका.

मुहम्मद अकरम ने बनाए 217 रन- अकरम ने 217 रनों की पारी सिर्फ 97 गेंदों में खेली. उनकी इस विस्फोटक पारी के कारण ही सालेनगोर 19 टीम 564 रन बना पाई. जबकि विरोधी टीम के सभी बल्लेबाज मिलकर भी 100 रन नहीं बना पाए.

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली राज और रवि कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

विशाखापत्तनम । एसीए-वीडीसीए विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम में दो स्टैंड का नाम भारत की दिग्गज महिला क्रिकेटर मिताली राज और रवि कल्पना के नाम पर रखा जाएगा। इन स्टैंड के उद्घाटन समारोह का आयोजन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वर्ल्ड कप मैच के साथ किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के साथ अगस्त 2025 में ब्रेकिंग बाउंड्रीज कार्यक्रम में भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि स्मृति मंधाना की अपील पर अमल करते हुए, मंत्री नारा लोकेश ने तुरंत आंध्र क्रिकेट संघ से परामर्श किया, जिसके परिणामस्वरूप विशाखापत्तनम स्टेडियम में महिला क्रिकेट की महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड का नामकरण करके उन्हें सम्मानित करने का फैसला लिया गया है। मंत्री नारा लोकेश ने कहा, स्मृति मंधाना के विचारशील सुझाव ने व्यापक जनभावना को छुआ है। इस विचार को तत्काल अमल में लाना लैंगिक समानता और महिला क्रिकेट के अग्रदूतों को सम्मान देने के प्रति हमारे सामूहिक समर्पण को दर्शाता है। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा। स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स को सम्मानित करने के साथ खेल में उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला जाएगा। इससे देश की बच्चियों को महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

हिकारू नाकामुरा ने डी गुकेश का किंग दर्शकों में फेंका, ट्रोल हुआ अमेरिकी खिलाड़ी, FIDE ने भी आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज रविवार 5 अक्टूबर 2025 को एक नए विवाद में फंस गया, जब दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा ने टेक्सास के ई-स्पोर्ट्स एरिना अर्लिंग्टन में एक प्रदर्शनी मैच में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराने के बाद उनका किंग दर्शकों के बीच फेंक दिया। प्रदर्शनी मुकाबले में टीम यूएसए ने भारतीय टीम को हराया था। भारतीय टीम में गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और दिव्या देशमुख जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे, लेकिन वे नाकामुरा, फैबियानो कारुआना और कारिसा यिप वाली टीम के खिलाफ 0-5 से हार गए।

डी गुकेश के साथ हुआ क्याड

इस मुकाबले का सबसे बड़ा मुद्दा नाकामुरा द्वारा गुकेश के किंग को दर्शकों के बीच फेंकना था, जिसके बारे में यूट्यूबर लेवी रोजमैन (जिन्हें गोथम शतरंज के नाम से जाना जाता है) जैसे अन्य खिलाड़ियों ने बताया कि खेल के आयोजकों ने ही खिलाड़ियों को ऐसा करने का सुझाव दिया था।

न्यूज डायरी

उपायुक्त ने समाधान शिविर में जिलावासियों की सुनी समस्याएं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बरवाला की नीलम की घरेलू हिंसा व सुरक्षा की मांग पर त्वरित कार्रवाही करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारी को मामले की जांच कर सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बरवाला के राहुल का फैमली आईडी में किसी और का नाम जुडने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर फैमली आईडी ठीक करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त सरकार द्वारा निर्देशित लघु सचिवालय के सभागार में आज समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने समाधान शिविर में पांच लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के निर्देशानुसार जिले में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों से मुख्यमंत्री स्वयं जुडते है और लोगों की समस्याओं पर स्वयं संज्ञान व मोनिटरिंग करते है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं के समाधान करने में किसी किस्म की कोताही ना करें और तय समय सीमा में समस्याओं का समाधान करें ।

एमसीएम में 'ज्ञान के मर्म' को समझने के लिए संवादात्मक सत्र का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग ने अंग्रेज़ी विभाग के सहयोग से तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में 'द एसेंस ऑफ नोइंग : क्वेश्चनिंग नॉलेज इटसेल्फ' विषय पर एक बौद्धिक रूप से प्रेरणादायक संवाद सत्र का आयोजन किया। इस सत्र के प्रमुख वक्ता टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, तुलजापुर कैंपस से विज़िटिंग प्रो. प्रियदर्शी जेटली (सेवानिवृत्त) रहे। प्रो. जेटली ने साहित्य और दर्शन के पारस्परिक संबंध पर गहन विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार दार्शनिक चिंतन सतही समझ से आगे बढ़कर ज्ञान की मूलभूत प्रकृति की खोज करता है। अरस्तू और अन्य विचारकों के संदर्भ लेते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जहाँ प्रत्येक विधा का अपना विशिष्ट ज्ञान क्षेत्र होता है, वहीं दर्शनशास्त्र स्वयं "ज्ञान" के स्वरूप पर विचार करता है। उन्होंने रसेल के विरोधाभास और दार्शनिक चिंतन की सर्वव्यापकता पर भी चर्चा की, यह रेखांकित करते हुए कि एक दार्शनिक को सदैव आलोचनात्मक और आत्म-चिंतनशील दृष्टि का विकास करना चाहिए।

पंचकूला में पेड पार्किंग खत्म, अब फ्री में होगी पार्किंग

नगर निगम की बैठक में कई अहम फैसले — गारबेज टैक्स माफ, धार्मिक संस्थाओं को राहत और सफाई मित्रों को बोनस की सौगात

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। नगर निगम पंचकूला की आम बैठक सोमवार को महापौर कुलभूषण गोयल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विधायक चंद्रमोहन, निगम आयुक्त आर.के. सिंह, संयुक्त आयुक्त गौरव चौहान, पार्षद एवं अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में शहरवासियों के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए। आरके सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सेक्टर 8, 9 और 10 में पेड पार्किंग हुई समाप्त

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सेक्टर 8, 9 और 10 में लागू पेड पार्किंग सिस्टम को समाप्त किया जाएगा। कांग्रेस पार्षदों ने पार्किंग ठेकेदार द्वारा नगर निगम की राशि जमा न करवाने पर विरोध दर्ज कराया। अधिकारियों ने बताया कि ठेकेदार पर लगभग सवा करोड़ रुपये की बकाया राशि है। महापौर ने निगम आयुक्त को तत्काल वसूली के निर्देश दिए। आयुक्त आर.के. सिंह ने कहा कि यदि ठेकेदार ने राशि जमा नहीं करवाई तो एफआईआर दर्ज की जाएगी। महापौर ने बताया कि 10 नवंबर को ठेकेदार का अनुबंध समाप्त हो जाएगा, जिसके बाद सभी पार्किंग फ्री कर दी जाएंगी।

खनन पर सख्ती, तीन दिन में वसूली के निर्देश

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे अवैध खनन का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठा। पार्षद सलीम खान ने बताया कि खनन के कारण गांव की नदियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं और नगर निगम की लगभग 4 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। महापौर ने निर्देश दिए कि तीन दिन में यह राशि वसूल की जाए, अन्यथा खनन कार्य बंद कराया जाए। आयुक्त ने कहा कि खनन विभाग से तालमेल कर वसूली और साइट निरीक्षण किया जाएगा।

पार्षदों के लिए केरल स्टडी टूर का प्रस्ताव पास

बैठक में पार्षदों के स्टडी टूर पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस पार्षद सलीम खान ने गोवा जाने का सुझाव दिया, जिस पर कुछ पार्षदों ने मुस्कुराते हुए आपत्ति जताई। अंततः निर्णय लिया गया कि पार्षद अपने पति या पत्नी के साथ केरल स्टडी टूर पर जाएंगे।

गारबेज टैक्स माफ और सामुदायिक केंद्रों की बुकिंग सस्ती

महापौर गोयल ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए गारबेज टैक्स माफ करने का प्रस्ताव पारित किया गया है, जिसे स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा जाएगा।

सामुदायिक केंद्रों की बुकिंग दरों में भी कमी की गई —

एक एकड़ से अधिक एरिया वाले केंद्रों की राशि 21,000 से घटाकर 11,000 रुपये,

एक एकड़ से कम वाले केंद्रों की राशि 11,000 से घटाकर 5,000 रुपये कर दी गई।

साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों के लिए 50% छूट और भोग या रस्म क्रिया के लिए 25% छूट देने का प्रस्ताव पारित किया गया।

धार्मिक संस्थाओं और समाजसेवी संगठनों को बड़ी राहत

नगर निगम क्षेत्र की सभी धार्मिक संस्थाओं, धर्मशालाओं और मंदिरों का वर्ष 2025–26 का प्रॉपर्टी टैक्स माफ किया गया।

रिहायशी व कमर्शियल संपत्तियों के पुराने लंबित टैक्स पर ब्याज में 50% छूट दी गई है।

गांव चंडीमंदिर, अलीपुर और जलौली में धार्मिक संस्थाओं को धर्मशाला, भवन, स्कूल और हॉस्टल निर्माण के लिए 33 साल की लीज पर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया।

माता मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में खाली जमीन पर रेस्ट हाउस और भवन बनाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

धार्मिक यात्रा और शिक्षा के लिए नई बसें

बैठक में निर्णय लिया गया कि विद्यार्थियों के लिए सुबह से शाम तक चलने वाली 5 इलेक्ट्रिक एसी बसें खरीदी जाएंगी।

साथ ही धार्मिक यात्रा के लिए एक एसी बस खरीदी जाएगी, जो लोगों को माता मनसा देवी, चंडीमाता, कालका माता, समलासन मंदिर, नाडा साहिब और त्रिलोकपुर मंदिर के दर्शन करवाएगी।

सफाई मित्रों और कर्मचारियों को दिवाली बोनस

महापौर ने घोषणा की कि दिवाली पर नगर निगम में कार्यरत सफाई मित्रों को 15 दिन का वेतन, जबकि अन्य अनुबंधित कर्मचारियों (एचकेआरएन, हारट्रोन, पार्ट-2) को 7 दिन का वेतन बोनस के रूप में देने का प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा।

स्मृति में होंगे नामकरण

नगर निगम ने सेक्टर 19 सामुदायिक केंद्र का नाम स्व. रतनलाल कटारिया (पूर्व सांसद, अंबाला) के नाम पर रखने का प्रस्ताव पास किया।

सेक्टर 15 पार्क नं. 1514 का नाम पद्मश्री जगदीश लाल अहूजा (लंगर बाबा) के नाम पर रखा जाएगा।

इसके अलावा एक सामुदायिक केंद्र का नाम मक्खन सिंह लुबाना और दूसरा अरुट जी महाराज के नाम पर रखा जाएगा।

नए विकास प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी

कोट, जसवंत और बिल्ला गांवों में 100 एकड़ की लेक विकसित करने और पीपीपी मॉडल पर रिजॉर्ट निर्माण का प्रस्ताव पारित।

सेक्टर 9 सामुदायिक केंद्र के साथ बैंक्वेट हॉल का निर्माण।

वीटा बूथ के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव पर मतदान — 12 पक्ष में, 8 विरोध में — प्रस्ताव पारित। सरकारी स्कूलों को भूमि आवंटन, जर्जर आंगनवाड़ियों और एससी धर्मशालाओं के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जापान दौरे के दौरान जापान की सेइरेन कंपनी ने हरियाणा के साथ किया एमओयू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने आज टोक्यो में जापान की प्रतिष्ठित सेइरेन कंपनी लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत सेइरेन कंपनी रोहतक में अपने मेगा प्रोजेक्ट में 220 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। इस परियोजना से लगभग 1700 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि सेइरेन कंपनी लिमिटेड वस्त्र समाधान और उन्नत सामग्री निर्माण में विश्व स्तर पर अग्रणी कंपनी है, जिसके उत्पाद ऑटोमोबाइल, इंटीरियर, पर्यावरण संरक्षण, लाइफस्टाइल, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, सेंसर और मैग्नेटिक मटेरियल जैसे कई क्षेत्रों में उपयोग होते हैं।

एक सशक्त औद्योगिक और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में बनी हरियाणा की पहचान

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, युवा आबादी व बड़ा बाजार तथा जापान के तकनीकी कौशल, विनिर्माण कौशल और वित्तीय संसाधन दोनों देशों की प्रगति में अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की पहचान एक सशक्त औद्योगिक और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में बनी है। हरियाणा, भारत के भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल 1.3 प्रतिशत है। लेकिन, यह देश की जी.डी.पी. में 3.6 प्रतिशत का योगदान देता है। हरियाणा हमेशा से भारत में जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक पसंदीदा निवेश स्थल रहा है। हरियाणा भारत के निर्यात में योगदान देने वाला प्रमुख राज्य है। हरियाणा ने वर्ष 2023-24 में 2 लाख 75 हजार करोड़ रुपये का निर्यात किया है। हरियाणा भारत के वस्त्र उत्पादन में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, जो सिंथेटिक और विशेष वस्त्रों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में आईटीआई और कई कौशल विकास केंद्र हैं, जो वस्त्र निर्माण और विनिर्माण पर केंद्रित हैं।